MECH-TIMES

VOLUME-VI

ISSUE-1

CONTENTS

MECH-TIMES

Message from the Director

It gives me immense pleasure to present this edition of MECH-TIMES, highlighting the academic, research, innovation, and professional activities of the Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal.

The first half of 2026 has been marked by several significant initiatives, including Faculty Development Programmes on Additive Manufacturing and Artificial Intelligence in Mechanical Engineering, along with workshops on Vibration Analysis, Green Foundry Practices, and NEP-2020. These initiatives have strengthened knowledge sharing, professional development, and academic interaction.

The Department has also made notable progress in innovation and intellectual property, with design registrations and patents in emerging engineering applications. Industrial visits to Bhakra Nangal Dam and HPCL-Mittal Energy Limited, Bathinda, together with expert talks and alumni interactions, have provided students with valuable exposure beyond the classroom.

Research activities, Ph.D. defenses, and technological developments such as the Advanced Lightning Detector System further demonstrate the Department's commitment to application-oriented research and innovation.

As Mechanical Engineering continues to evolve with Artificial Intelligence, advanced manufacturing, sustainable technologies, and interdisciplinary innovation, I encourage our students and faculty to embrace these opportunities with curiosity, creativity, and dedication.

I congratulate the Head of the Department, faculty, staff, research scholars, students, and the editorial team of MECH-TIMES for their valuable contributions. Let us continue our collective journey towards academic excellence, impactful research, innovation, and meaningful service to society.

Best wishes,

Prof. Mani Kant Paswan
Director, SLIET Longowal

निदेशक का संदेश

मेक-टाइम्स के इस नवीन संस्करण को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। यह संस्करण स्लाईट लौंगोवाल के यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग की शैक्षणिक, अनुसंधान, नवाचार एवं व्यावसायिक गतिविधियों को संकलित करता है।

वर्ष 2026 के प्रथम छह महीनों में विभाग ने एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उभरते क्षेत्रों में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम तथा वाइब्रेशन एनालिसिस, ग्रीन फाउंड्री प्रैक्टिसेज और एन.ई.पी-2020 पर कार्यशालाओं का आयोजन किया। इन पहलों ने ज्ञान-विनिमय, व्यावसायिक विकास और शैक्षणिक सहभागिता को सुदृढ़ किया है।

विभाग ने नवाचार एवं बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। विभिन्न डिजाइन पंजीकरण एवं पेटेंट उपलब्धियाँ विभाग में रचनात्मकता और प्रौद्योगिकी-आधारित अनुसंधान की बढ़ती संस्कृति को दर्शाती हैं।
भाखड़ा नांगल बाँध तथा एच.पी.सी.एल. -मित्तल एनर्जी लिमिटेड, बठिंडा के औद्योगिक भ्रमणों के साथ-साथ विशेषज्ञ व्याख्यान एवं पूर्व छात्र संवाद ने विद्यार्थियों को कक्षा से परे व्यावहारिक एवं औद्योगिक अनुभव प्रदान किया।

विभाग की शोध गतिविधियाँ, पीएच.डी. शोध-प्रबंध प्रतिरक्षा तथा एडवांस्ड लाइटनिंग डिटेक्टर सिस्टम जैसी तकनीकी उपलब्धियाँ अनुप्रयोग-उन्मुख अनुसंधान और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं।

जैसे-जैसे यांत्रिक अभियांत्रिकी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उन्नत विनिर्माण, सतत प्रौद्योगिकियों एवं अंतर्विषयी नवाचार के साथ विकसित हो रही है, मैं विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से इन अवसरों को जिज्ञासा, सृजनात्मकता और समर्पण के साथ अपनाने का आह्वान करता हूँ।

मैं विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं मेक-टाइम्स की संपादकीय टीम को उनके बहुमूल्य योगदान के लिए बधाई देता हूँ। आइए, हम सब मिलकर शैक्षणिक उत्कृष्टता, प्रभावशाली अनुसंधान, नवाचार और समाज के प्रति सार्थक योगदान की दिशा में निरंतर आगे बढ़ें।

शुभकामनाओं सहित,

प्रो. मणि कांत पसवान
निदेशक, एस.एल.आई.ई.टी. लौंगोवाल

Message from the Head of the Department

Warm Greetings,

It gives me immense pleasure and a deep sense of pride to present Volume VI, Issue I of our departmental biannual magazine, MechTimes. This magazine is not merely a collection of pages; it is a vibrant reflection of the past six months of academic dedication, technical innovation, research excellence, and collective achievements of our students and faculty members.

The Department of Mechanical Engineering at SLIET is committed to excellence in education, research, and innovation. With rapidly evolving technology, we focus on equipping students with practical skills, technical competence, and industry-oriented knowledge. This issue of MechTimes highlights our key achievements through research publications, workshops, industrial visits, academic activities, and student accomplishments.

I am particularly pleased with the department's commendable placement performance, which reflects the quality of education, technical competence, and professional preparedness of our students. This achievement is a testament to the consistent efforts of our faculty members and the dedication, hard work, and determination of our students. It also reflects our continued emphasis on industry-oriented education, skill development, and preparing students to meet the evolving demands of the professional world.

I extend my heartfelt congratulations and appreciation to all the students and faculty members who have enriched this magazine with their creativity, knowledge, and accomplishments. I especially commend the editorial team for their sincere efforts and hard work in compiling and presenting this issue of MechTimes. I am fully confident that this edition will ignite a new spark of knowledge, innovation, and curiosity among our readers and inspire us to continue striving for excellence. May our collective efforts enable the Department of Mechanical Engineering to achieve greater milestones and scale new heights in teaching, research, innovation, and professional excellence in the years to come.

With best wishes for continued success and excellence.

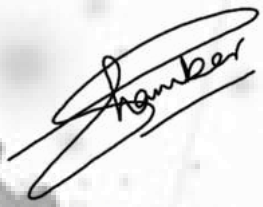

Prof. Shankar Singh
Head
Department of Mechanical Engineering
SLIET Longowal

विभागाध्यक्ष का संदेश

सादर अभिवादन,

यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष और गर्व का विषय है कि मैं हमारे विभागीय द्विवार्षिक पत्रिका 'MechTimes' के खंड VI, अंक I को प्रस्तुत कर रहा हूँ। यह पत्रिका केवल पृष्ठों का संकलन नहीं है, बल्कि पिछले छह महीनों में हमारे विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों द्वारा किए गए शैक्षणिक समर्पण, तकनीकी नवाचार, शोध उत्कृष्टता और सामूहिक उपलब्धियों का जीवंत प्रतिबिंब है।

SLIET के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग का उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। तीव्र गति से विकसित हो रही प्रौद्योगिकी के इस दौर में हम अपने विद्यार्थियों को व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता तथा उद्योग-उन्मुख ज्ञान से सुसज्जित करने पर विशेष बल देते हैं। 'MechTimes' का यह अंक शोध प्रकाशनों, कार्यशालाओं, औद्योगिक भ्रमण, शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यार्थियों की उपलब्धियों के माध्यम से विभाग की प्रमुख गतिविधियों एवं सफलताओं को प्रस्तुत करता है।

मुझे विशेष रूप से विभाग के उत्कृष्ट प्लेसमेंट प्रदर्शन पर प्रसन्नता और गर्व है। यह उपलब्धि हमारे विद्यार्थियों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, तकनीकी दक्षता और व्यावसायिक तैयारी को दर्शाती है। यह हमारे संकाय सदस्यों के निरंतर प्रयासों तथा विद्यार्थियों की लगन, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। साथ ही, यह उद्योग-उन्मुख शिक्षा, कौशल विकास तथा विद्यार्थियों को पेशेवर जगत की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

मैं उन सभी विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने अपनी रचनात्मकता, ज्ञान और उपलब्धियों से इस पत्रिका को समृद्ध बनाया है। मैं विशेष रूप से संपादकीय टीम के सदस्यों के ईमानदार प्रयासों और अथक परिश्रम की सराहना करता हूँ, जिन्होंने 'MechTimes' के इस अंक को संकलित एवं प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह संस्करण हमारे पाठकों में ज्ञान, नवाचार और जिज्ञासा की नई ऊर्जा का संचार करेगा तथा हमें उत्कृष्टता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता और प्रयासों से मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग आने वाले वर्षों में शिक्षण, अनुसंधान, नवाचार और व्यावसायिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में और भी बड़ी उपलब्धियाँ प्राप्त करे तथा नई ऊँचाइयों को छुए।

निरंतर सफलता और उत्कृष्टता के लिए हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

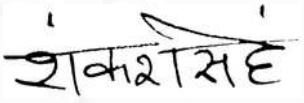

प्रो. शंकर सिंह
विभागाध्यक्ष
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
एस.एल.आई.ई.टी. लौंगोवाल

Message from the Editor

With great pride and enthusiasm, I present Volume VI, Issue I of MechTimes, the half-yearly magazine of the Department of Mechanical Engineering, Sant Longowal Institute of Engineering and Technology (SLIET), Longowal.

The Department has continued to make significant progress in the fields of academics, research, innovation, student activities, and professional development. This journey of growth and excellence has been strengthened by the dedicated efforts and contributions of our esteemed faculty members, staff, research scholars, and students.

I express my sincere gratitude to Prof. Shankar Singh, Head, Department of Mechanical Engineering, for his invaluable guidance, encouragement, and continued support. I am also deeply grateful to Prof. Mani Kant Paswan, Director, SLIET, for his constant encouragement and support towards the academic advancement and overall development of the Department.

MechTimes serves as a vibrant platform for showcasing the achievements, activities, ideas, innovations, and creativity of our departmental community. I sincerely appreciate and acknowledge the valuable contributions of everyone who has supported the Department and contributed to making this issue possible.

I am confident that the Department of Mechanical Engineering will continue its journey towards greater excellence, fostering innovation and nurturing talented professionals who will contribute meaningfully to society and the engineering profession.

I extend my best wishes for the continued success and growth of the Department and hope that this issue of MechTimes inspires and engages all its readers.

Dr. Vivek Kumar
Editor, MechTimes
Department of Mechanical Engineering
SLIET Longowal

संपादक की ओर से संदेश

बड़े गर्व और उत्साह के साथ मैं मेकटाइम्स (MechTimes) के वॉल्यूम VI, अंक I को प्रस्तुत कर रहा हूँ। यह संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (SLIET), लोंगोवाल के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की अर्धवार्षिक पत्रिका है।

विभाग ने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, छात्र गतिविधियों और व्यावसायिक विकास के क्षेत्रों में निरंतर उल्लेखनीय प्रगति की है। उत्कृष्टता और विकास की इस यात्रा को हमारे समर्पित संकाय सदस्यों, कर्मचारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों के अथक प्रयासों एवं योगदान से निरंतर मजबूती मिली है।

मैं प्रो. शंकर सिंह, विभागाध्यक्ष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, के अमूल्य मार्गदर्शन, प्रोत्साहन और निरंतर सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता/करती हूँ। साथ ही, मैं प्रो. मणि कांत पासवान, निदेशक, SLIET, के निरंतर प्रोत्साहन एवं विभाग की शैक्षणिक उन्नति और समग्र विकास के लिए उनके सहयोग हेतु भी हार्दिक आभार व्यक्त करता/करती हूँ।

मेकटाइम्स हमारे विभागीय समुदाय की उपलब्धियों, गतिविधियों, विचारों, नवाचारों और रचनात्मक प्रतिभा को प्रस्तुत करने के लिए एक सशक्त मंच प्रदान करती है। मैं उन सभी के बहुमूल्य योगदान और सहयोग की हृदयपूर्वक सराहना करता/करती हूँ, जिन्होंने विभाग की प्रगति में योगदान दिया और इस अंक को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग उत्कृष्टता की अपनी यात्रा को निरंतर आगे बढ़ाते हुए नवाचार को प्रोत्साहित करेगा और ऐसे प्रतिभाशाली इंजीनियरों का निर्माण करेगा, जो समाज एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सार्थक योगदान देंगे।

मैं विभाग की निरंतर सफलता और प्रगति के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता/करती हूँ और आशा करता/करती हूँ कि मेकटाइम्स का यह अंक अपने सभी पाठकों को प्रेरित एवं समृद्ध करेगा।

विवेक कुमार

डॉ. विवेक कुमार
संपादक, मेक-टाइम्स (MechTimes)
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
एस.एल.आई.ई.टी. लौंगोवाल

Faculty Development Programs (FDP)

One-Week STTP on "Advances in Additive Manufacturing (AAM-2026)" from 05th – 09th January 2026.

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, inaugurated the **One-Week Short-Term Training Programme (STTP)** on **"Advances in Additive Manufacturing (AAM-2026)"** on **5th January 2026.**

The programme featured expert lectures on Digital Twinning, 3D Bioprinting, Auxetic Structures, Metamaterials, Post-Processing, and Life-Cycle Analysis. Coordinated by **Dr. Anil Kumar Singla** and **Dr. Anuj Bansal,** with support from **Er. Jonny Singla** and **Er. Ankita Omer**. **Prof. Jaswinder Singh Saini**, Thapar Institute of Engineering & Technology, addressed the participants virtually, sharing global research perspectives on advanced 3D printing technologies.

Dr. Anil Kumar Singla welcomed the participants, while **Prof. Shankar Singh**, Head of the Department, highlighted the growing importance of research and innovation in additive manufacturing. The STTP has attracted **80+ participants** from across India and abroad. The valedictory session was graced by **Prof. Mani Kant Paswan**, Director, SLIET and Patron, who appreciated the organizers and encouraged participants to leverage additive manufacturing for indigenous innovation and research.

MECH-TIMES

One week FDP on "Artificial Intelligence Applications in Mechanical Engineering: Future Tools (AIAME-2026)" from 18th–22nd May 2026.

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, inaugurated the **Five-Day Faculty Development Programme (AIAME-2026)** on 18th May 2026. Conducted in hybrid mode, the FDP focuses on **Artificial Intelligence applications in Mechanical Engineering**, including smart manufacturing, automation, machine learning, and predictive maintenance.

The inaugural session was graced by **Prof. Ajat Shatru Arora,** Director In-Charge, SLIET, while **Prof. Mani Kant Paswan,** Director, SLIET, addressed the participants virtually, highlighting the transformative role of AI in engineering. **Dr. Santosh Chaurasia**, CEO, STOLZEL Automation Pvt. Ltd. and distinguished SLIET alumnus, attended as the Guest of Honour, and Prof. A. S. Shahi, Dean (Academics), participated as Co-Patron.

The FDP was chaired by **Prof. Shankar Singh,** Head of the Mechanical & Civil Engineering Department, and coordinated by **Dr. Rakesh Kumar, Dr. Manoj Goyal,** and **Dr. Yogesh Verma.** The FDP attracted **around 80 participants,** including faculty members, research scholars, and postgraduate students from institutions and industries across the country. The programme featured 13 expert sessions by eminent speakers from **IITs, NITs, Siemens, Tata Consultancy Services (TCS), NTPC Limited, ANZ Bank Singapore**, and SLIET.

MECH-TIMES


SANT LONGOWAL INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY,
LONGOWAL
Organizes
FACULTY DEVELOPMENT PROGRAMME ON
"ARTIFICIAL INTELLIGENCE APPLICATIONS IN MECHANICAL ENGINEERING: FUTURE TOOLS"
AI
18TH – 22ND MAY 2026
The programme aims to provide academicians, researchers, industry professionals, and students with emerging knowledge and practical exposure in the field of Artificial Intelligence and its applications in Mechanical Engineering.
The FDP will focus on advanced AI tools, smart manufacturing, automation, data-driven engineering solutions, machine learning applications, digital transformation in industries, and future technological trends.
ARTIFICIAL INTELLIGENCE
SMART MANUFACTURING
AUTOMATION
DATA-DRIVEN ENGINEERING
MACHINE LEARNING APPLICATIONS
DIGITAL TRANSFORMATION IN INDUSTRIES
FUTURE TRENDS
CHAIRPERSON OF FDP - AIAME-2026
Prof. Shankar Singh
Head of the Department
(Mechanical & Civil)
PROGRAMME COORDINATORS
Dr. Rakesh Kumar
Associate Professor
Department of
Mechanical Engineering
Dr. Manoj Goyal
Associate Professor
Department of
Mechanical Engineering
Dr. Yogesh Verma
Assistant Professor
Department of
Mechanical Engineering
WHO CAN PARTICIPATE?
Academicians, Researchers, Industry Professionals and Students
VENUE
Sant Longowal Institute of Engineering and Technology, Longowal, Punjab, India
FOR QUERIES
Please contact Programme Coordinators through the Department of Mechanical Engineering
Empowering Minds. Building Future. Transforming Engineering with AI.

Workshops Organized

Two-Day International Workshop on "Fundamentals of Vibration Analysis for Condition Monitoring and Fault Diagnosis" from 15th–16th January 2026.

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, in association with Wenzhou University, China, inaugurated a two-day international workshop on "Fundamentals of Vibration Analysis for Condition Monitoring and Fault Diagnosis" on 15th–16th January 2026.

The workshop was inaugurated by Prof. Mani Kant Paswan, Director, SLIET, who encouraged international collaboration and skill-based academic initiatives. Prof. A. S. Shahi, Dean (Academics), served as Co-Patron, while Prof. Shankar Singh, Head of the Department, highlighted the growing importance of vibration analysis in modern condition monitoring and fault diagnosis.

The workshop was coordinated by Prof. Rajesh Kumar (SLIET) and Dr. Anil Kumar (Wenzhou University, China), with Dr. Yogesh Verma and Er. Lalit Ahuja as Co-Coordinators. Aligned with the objectives of NEP 2020, the programme focused on skill development, industry-oriented learning, and strengthening global academic collaboration through expert sessions and hands-on learning.

MECH-TIMES

Two-Day Hands-on Workshop on "Green Foundry Practices in Metal Casting (GFPMC-2026)" from 13th-14th February 2026.

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, inaugurated the **Two-Day Hands-on Workshop on "Green Foundry Practices in Metal Casting (GFPMC-2026)"** on **13th February 2026** to promote sustainable and environmentally responsible metal casting technologies.

The inaugural session was graced by **Prof. Ajat Shatru Arora,** Director Incharge, while **Prof. Mani Kant Paswan,** Director, SLIET, addressed the participants virtually, emphasizing the importance of green foundry practices for sustainable industrial development. **Prof. A. S. Shahi,** Dean (Academics), highlighted the need for clean technologies, and **Prof. Shankar Singh,** Head of the Department, spoke on the growing significance of sustainable manufacturing and eco-friendly casting.

The workshop, coordinated by **Dr. Rakesh Kumar, Dr. Mohd. Majid,** and **Er. Divesh Bharti**, featured hands-on sessions in the Advanced Casting Laboratory on green moulding techniques, defect analysis, recycling practices, emission control, and environmental regulations. The department proudly acknowledges the continuous efforts, visionary leadership, and constant encouragement of the HOD, **Prof. Shankar Singh**, whose dedication makes such impactful academic and skill-oriented programmes possible.

MECH-TIMES

Two-Day National Workshop on "National Education Policy-2020: Innovation and Implementation in Polytechnic Education" from 26–27 February 2026.

Under the visionary leadership of **Prof. Mani Kant Paswan, Director, SLIET Longowal**, the institute, in association with **NITTTR Chandigarh** and **Shiksha Sanskriti Utthan Nyas**, organized a Two-Day National Workshop on **"National Education Policy-2020: Innovation and Implementation in Polytechnic Education"** from **26–27 February 2026** at NITTTR Chandigarh.

Prof. Shankar Singh, Head of the Mechanical & Civil Engineering Department, served as the SLIET Coordinator, with faculty members from SLIET actively contributing to the workshop. The inaugural session featured addresses by **Dr. Atul Kothari, Prof. Mani Kant Paswan, Prof. Bhola Ram Gurjar**, and **Dr. Ranjit Prasad,** highlighting the importance of NEP-2020, skill development, teacher training, and the Indian Knowledge System in strengthening technical education.

The workshop attracted **over 60 academicians and technical education officials** from several states across India. During the valedictory session on **27th February 2026**, participation certificates were distributed, and participants were encouraged to actively implement the principles of **NEP-2020** to promote quality, innovation, and skill-oriented technical education.

Faculty Achievements

1. **Design Patents**:

   Dr. Sumit Kumar, Dr. Vivek Kumar, Dr. Surinder Kumar, and **Dr. Sunil Kumar**, along with their student team, were granted Design Patents for "Retrofit Attachment for Conversion of Bicycle to E-Cycle" and "Autonomous Solar Grass Cutter." The team received a Letter of Appreciation from Prof. Mani Kant Paswan, Director, SLIET, on 26 January 2026 for their contributions to sustainable technology and automation.

2. **Design Registration**:

   The design **"Tool Holder for Vertical Milling Machine"**, by **Dr. Rakesh Kumar** and **Mr. Bharat Singh Chittoriya,** Ph.D. Scholar, was successfully registered by the **Patent Office, Government of India,** on **10 February 2026**, highlighting the department's commitment to innovation in manufacturing and machining.

3. **Design Patent Accepted**

The Design Patent **"Wire-Assisted Electro Discharge Turning (WEDT) Attachment" (Application No. 479053-001)** by **Prof. Shankar Singh** was accepted by the **Office of the Controller General of Patents, Designs & Trade Marks, Government of India**, on **25 June 2026,** marking another milestone in the department's research and innovation activities.

Industry–Institute Interaction

Visit of Padma Shri Awardee Shri Rajinder Gupta to SLIET Longowal

SLIET Longowal was honoured by the visit of **Padma Shri Rajinder Gupta,** Chairman Emeritus, Trident Group, on **21st January 2026.** The Industry–Institute Interaction, organized by **Prof. Ravi Kant Mishra,** Dean (Alumni & Industrial Relations), and **Prof. Surinder Singh**, Dean (Research & Consultancy), strengthened industry–academia collaboration.

During the visit, Shri Gupta announced **₹1 Crore** for laboratory development to enhance research and hands-on learning. He also declared that **Trident Group** would recruit **100 First Class diploma students**, creating valuable career opportunities.

This announcement brings excellent news for Diploma students of Mechanical and Civil Engineering, as well as for faculty members whose research interests align with key thrust areas such as Sustainability and Green Engineering, Applications of Artificial Intelligence in Engineering, and Failure Analysis of Electrical and Mechanical Equipment.

MECH-TIMES

Industrial Visit to Bhakra Nangal Dam by Students of Mechanical Engineering, SLIET Longowal

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, organized an **Industrial Visit to Bhakra Nangal Dam** for **B.Tech. Mechanical Engineering 3rd Year students** on **6th May 2026.** Around **70 students** participated in the visit, accompanied by faculty members, to gain practical exposure to dam construction, hydropower generation, and reservoir management.

The visit was conducted under the guidance of **Prof. Mani Kant Paswan**, Director, SLIET, and Prof. Shankar Singh, Head of the Mechanical & Civil Engineering Department, and was coordinated by **Dr. Vivek Kumar** and **Er. Divesh Bharti**. Students interacted with experts at the **Bhakra Beas Management Board (BBMB), Nangal**, where they learned about dam health monitoring, reservoir silting, hydropower systems, and maintenance practices.

The department also acknowledged the support of **Er. Jaskirat Singh,** Junior Engineer, BBMB, and appreciated the efforts of the accompanying faculty and student coordinators. The visit provided valuable real-world exposure, helping students connect classroom learning with practical engineering applications.

MECH-TIMES

Industrial Visit to HMEL, Bathinda by Students of Mechanical Engineering, SLIET Longowal

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, organized an **Industrial Visit to HPCL-Mittal Energy Limited (HMEL), Bathinda** for **B.Tech. Mechanical Engineering 3rd Year students** on **12th May 2026.** Around **45 students** participated in the visit to gain practical exposure to refinery operations, industrial safety, maintenance systems, and modern engineering practices.

The visit was conducted under the guidance of **Prof. Mani Kant Paswan**, Director, SLIET, and **Prof. Shankar Singh,** Head of the Mechanical & Civil Engineering Department, and was coordinated by **Dr. Vivek Kumar** and **Er. Divesh Bharti.** Students explored the **Guru Gobind Singh Refinery,** learning about refinery processes, process control, maintenance operations, and industrial safety systems.

The department expressed its gratitude to **Mr. Devinder Mittal**, Vice President, HMEL, and acknowledged the support of **Prof. R. K. Mishra, Prof. Major Singh,** and the Training & Placement Office for facilitating the visit. The programme provided valuable industry exposure and strengthened students' understanding of real-world engineering applications.

MECH-TIMES

Expert Talks and Visits to Department

Expert Talk on Advances in Solar Thermal Technologies at SLIET Longowal

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, organized an Expert Talk on **"Thermal and Energy Systems Engineering: Advances in Solar Thermal Technologies"** on **11th March 2026.** The session was delivered by **Dr. Sukanta Nayak,** Arka Jain University, Jamshedpur, who shared insights into modern thermal engineering, energy systems, and sustainable solar thermal technologies.

The lecture enhanced participants' understanding of energy efficiency, thermal system design, and emerging trends in energy engineering by connecting theoretical concepts with practical and research-oriented perspectives. The programme was organized by **Er. Jonny Singla** under the guidance of **Prof. Shankar Singh**, Head of the Mechanical & Civil Engineering Department, and was attended by faculty members and students.

The department acknowledges the visionary leadership of **Prof. Mani Kant Paswan**, Director, SLIET, and the continuous support of **Prof. Shankar Singh** in promoting academic interaction, research, and knowledge-sharing initiatives that enrich engineering education.

MECH-TIMES

Expert Talk on Sustainable Infrastructure at SLIET Longowal

The Department of Mechanical and Civil Engineering, SLIET Longowal, organized an **Expert Talk on "Factors Governing the Suitability of Recycled Aggregates for Sustainable Infrastructure"** on **11/03/2026** by **Dr. Surender Singh**, IIT Madras an expert in Transportation Engineering.

Dr. Singh discussed the technical, environmental, and performance-related aspects of using recycled aggregates, highlighting their role in **sustainable construction, resource conservation, and eco-friendly infrastructure development.** The session provided valuable insights into the evaluation of recycled materials and their applications in modern transportation engineering.

The programme was organized under the guidance of **Prof. Shankar Singh**, Head, Mechanical and Civil Engineering Department, and coordinated by **Dr. Shilpa Singla.** Faculty members and technical staff actively participated in the session, which enriched their understanding of emerging sustainable construction practices.

The department acknowledges the visionary support of **Prof. Mani Kant Paswan**, Director, SLIET, and the continuous guidance of **Prof. Shankar Singh** in promoting research, knowledge exchange, and sustainable engineering education.

MECH-TIMES

Alumni Interaction under "Confluence 2026" at SLIET Longowal

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, organized an Alumni Interaction under **"Confluence 2026"** on **4th April 2026,** welcoming distinguished alumni **Dr. Santosh Chaurasia** (CEO, STOLZEL), **Er. Ashwani Kumar** (Global Supplier Quality Coordinator, EDF Group, France), and **Er. Chandan Roy** (AGM–R&D, Maruti Suzuki India Limited).

The alumni visited the department's laboratories and workshop facilities, appreciated the advanced infrastructure, and interacted with faculty and staff, sharing valuable industry experiences and professional insights. The programme was coordinated by **Prof. Shankar Singh,** Head of the Mechanical & Civil Engineering Department, reflecting the department's commitment to strengthening alumni engagement and industry–academia collaboration.

The department also acknowledges the continuous encouragement of **Prof. Mani Kant Paswan**, Director, SLIET, in promoting initiatives that foster professional networking, academic excellence, and institutional growth.

Departmental Visit by Alumni – Er. Chandan Roy (GWT 2009 Batch)

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, had the pleasure of welcoming its distinguished alumnus Er. Chandan Roy (GWT 2009 Batch), Associate General Manager, Maruti Suzuki India Limited, on 16th April 2026. He attended the Certificate & Diploma Award Ceremony as the Guest of Honour, where he shared his inspiring professional journey and fond memories of his student life at SLIET.

Following the ceremony, Er. Chandan Roy visited the department and interacted with faculty members, recalling his association with Team Junkyard Warriors, where he served as Captain during BAJA SAE India 2012 under the guidance of Prof. Shankar Singh. He also reflected on the team's outstanding performance at BAJA SAE India 2011, including the Overall Winner title and other notable achievements.

The department expresses its gratitude to Prof. Mani Kant Paswan, Director, SLIET, for his visionary leadership, and acknowledges the support of Prof. A. S. Shahi, Dr. Indraj Singh, Dr. Jagtar Singh, and Prof. Shankar Singh in strengthening alumni engagement. Such interactions continue to inspire students and reinforce the strong bond between the institute and its alumni.

PhD Defenses

1. **Mr. Hari Om** successfully defended his **Ph.D. research thesis** on **27th January, 2026**, on *"Parametric Modelling and Multi-Objective Optimization of Electric Discharge Drilling (EDD) of Ni-Ti-Cu Shape Memory Alloy"*. His research Supervisor was **Prof. (Dr.) Shankar Singh,** Professor & Head Department of (Mechanical & Civil Engineering), SLIET and his thesis was examined by **Prof. Mamilla Ravi Sankar,** Professor & Head, Department of Mechanical Engineering, IIT Tirupati.

2. **Mr. Navneet Goyal** (PME-1809) successfully defending his Ph.D. Viva Voce Examination held on **09 March 2026** on *"Recycling of Steel Slag as a Flux for Stainless Steel Cladding in Submerged Arc Welding"*. His research Supervisors were **Dr. Kulwant Singh** (ME, SLIET) and the thesis was examined by **Prof. Hari Om** by Online Mode. The Department extends its heartfelt congratulations and best wishes for his future endeavors.

MECH-TIMES

Pariksha Pe Charcha 2026 at SLIET Longowal

The Department of Mechanical & Civil Engineering, SLIET Longowal, enthusiastically participated in the **9th Edition** of **Pariksha Pe Charcha 2026** on **6th February 2026.** Students, faculty, and staff joined the **LIVE interaction with Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi Ji,** who shared valuable insights on stress-free learning, self-confidence, and holistic development.

The event, organized under the **Ministry of Education, Government of India**, aims to transform the examination experience by promoting positivity, resilience, and confidence among students.

The department acknowledges the visionary leadership of **Prof. Mani Kant Paswan**, Director, SLIET, for encouraging student-centric and nationally significant educational initiatives. Special appreciation is also extended to **Prof. Shankar Singh**, Head of the Department, for motivating students and faculty to actively participate in such inspiring programmes that contribute to academic excellence and overall personality development.

MECH-TIMES

Advanced Lightning Detection Facility Established at Mechanical Department

The **Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal,** achieved a significant milestone with the installation of an **Advanced Lightning Detection System** in the **Strength of Materials (SOM)** Laboratory, in collaboration with **IITM, Pune.**

The system was installed by **Er. Jayesh Dange, Project Scientist-I, IITM Pune**, under the supervision of **Dr. Rakesh Kumar, Associate Professor** and **Lab In-charge,** with technical support from **Sh. Shashi Ranjan, Lab Technician.** The facility detects **Intra-Cloud (IC)** and **Cloud-to-Ground (CG)** lightning, supporting research, safety awareness, and early-warning applications.

The department acknowledges the valuable support of **Prof. Mani Kant Paswan, Director, SLIET,** the Deans, and **Prof. Shankar Singh, Head, Department of Mechanical Engineering,** in making this achievement possible.

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

BETWEEN

Sant Longowal Institute of Engineering and Technology, Longowal

AND

Indian Institute of Tropical Meteorology (IITM), Pune, The Ministry of Earth Sciences, Govt. of India

For

Scientific collaboration in STUDIES ON "Weather & Atmospheric Processes,"

This Memorandum of Understanding (hereinafter referred to as MOU) is entered into on Feb 6, 2026 BETWEEN Sant Longowal Institute of Engineering and Technology, Longowal (hereinafter referred to as "FIRST PARTY"), situated at Longowal, Sangrur Punjab -148106.

AND

Indian Institute of Tropical Meteorology (IITM), Pune, (hereinafter referred to as "SECOND PARTY"), An Autonomous Body under the Ministry of Earth Sciences, Govt. of India, situated at Pashan, Pune - 411 008.

SLIET

1.

Scanned with OKEN Scanner

MECH-TIMES

Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal – Advancing Excellence Through Innovation and Leadership

The Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal, continues to uphold its legacy of academic excellence through quality education, innovative research, industry collaboration, and skill-oriented learning. The department is dedicated to nurturing competent engineers equipped to meet emerging technological and industrial challenges.

Under the visionary leadership of **Prof. Mani Kant Paswan,** Director, SLIET, the institute has made significant progress in academics, research, innovation, and infrastructure development. Guided by **Prof. Shankar Singh,** Head of the Department, the department has strengthened its academic, research, industrial, and outreach activities through conferences, workshops, faculty development programmes, industrial visits, and student-centric initiatives.

The department's achievements reflect the collective efforts of its faculty, staff, research scholars, students, alumni, and stakeholders. With a strong commitment to innovation, excellence, and societal development, the Department of Mechanical Engineering continues to contribute meaningfully to engineering education and nation-building.

MECH-TIMES

Message by Head of the Department to pass out students on 14-06-2026

Dear Students,

As you pass out and step into the real world with your appointments and new responsibilities, I extend my heartfelt congratulations and best wishes to each of you.

"Success is not a destination; it is the result of continuous learning, innovation, and perseverance."

May your journey be filled with success, growth, and meaningful achievements. Continue to learn, innovate, and make a positive impact wherever you go. Believe in yourselves, embrace challenges with confidence, and strive for excellence in all that you do.

"Transform your ambitions into achievements through vision, dedication, and lifelong learning."

Wishing you the very best for a bright and successful future.

Prof. Shankar Singh
Head of the Department (Mechanical & Civil)

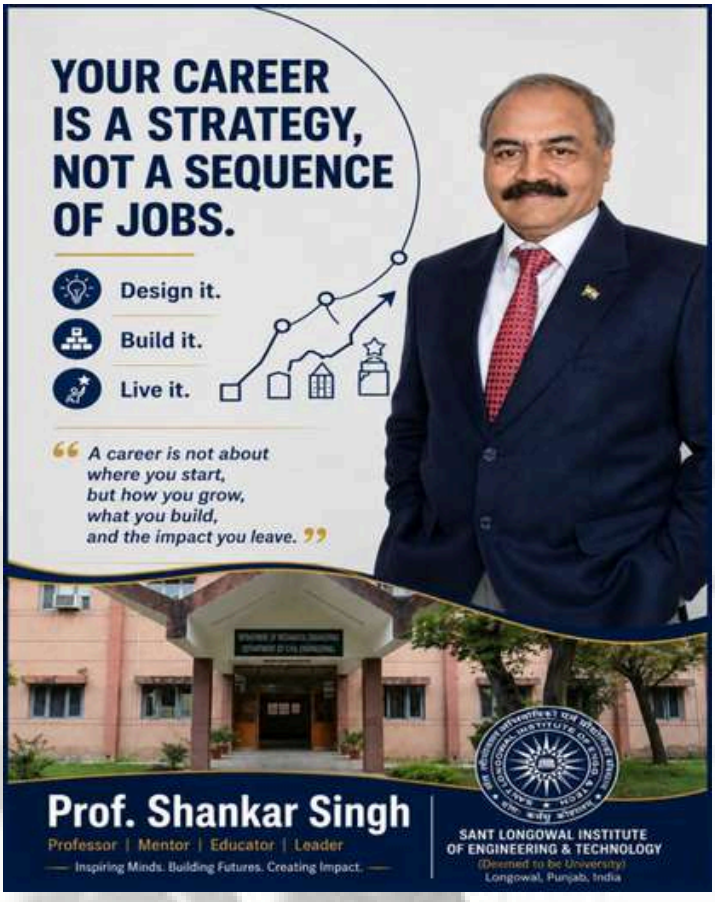

Lohri Celebration at the Department of Mechanical Engineering, SLIET

The **Department of Mechanical Engineering, SLIET Longowal,** celebrated **Lohri** on **13 January 2026** with great enthusiasm and festive spirit. The occasion was graced by **Prof. Mani Kant Paswan,** Director, SLIET, who extended warm Lohri greetings to the faculty, staff, research scholars, and students of the Mechanical and Civil Engineering Departments.

Prof. Paswan was felicitated with a traditional **Phulkari** by **Prof. Shankar Singh,** Head, Department of Mechanical Engineering, in the presence of **Prof. Jagtar Singh** and **Dr. Rakesh Kumar.** His interaction with the department inspired the faculty and students, reaffirming SLIET's commitment to innovation, academic growth, and excellence.

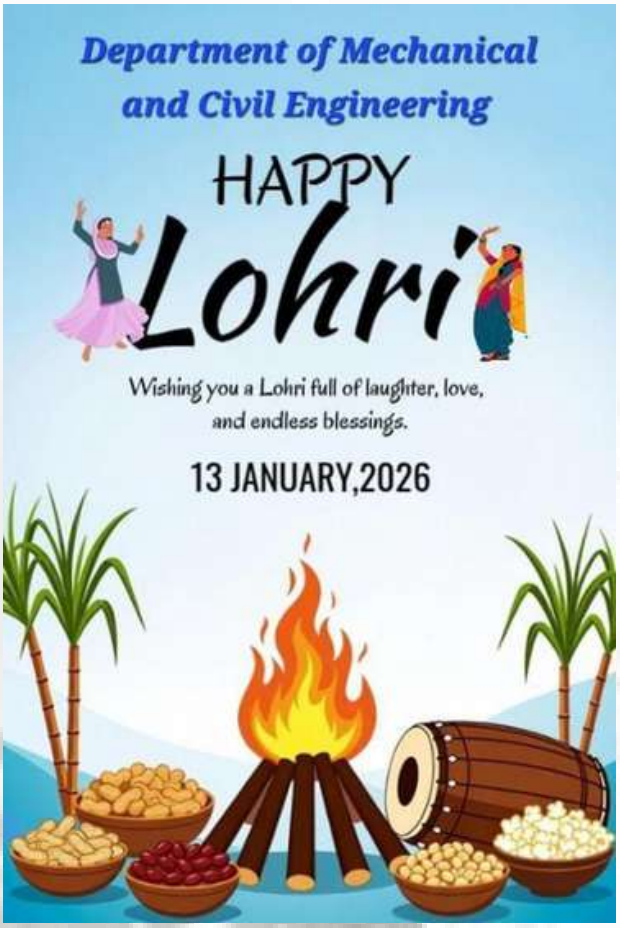

Retirements

Retirement of Mr. Sunil Dutt Sharma

The Department of Mechanical & Civil Engineering, SLIET Longowal, bid a warm farewell to **Mr. Sunil Dutt Sharma, Technician,** on his retirement on **2 March 2026**. A retirement function was organized in the presence of **Prof. Ajat Shatru Arora, Director In-Charge,** along with faculty and staff members. **Prof. Shankar Singh, Head of the Department,** appreciated Mr. Sharma's dedicated service, technical expertise, and valuable contributions to the department. The department expressed its gratitude for his service and wished him a healthy, happy, and fulfilling retired life.

Farewell Lunch in Honour of Mr. Harbans Singh

The Department of Mechanical & Civil Engineering, SLIET Longowal, organized a farewell lunch on **18th June 2026** in honour of **Mr. Harbans Singh (MTS),** who retired on **30th June 2026** after years of dedicated service to the institute. Having joined the Department of Mechanical Engineering in **August 2012**, Mr. Harbans Singh served the department with sincerity, professionalism, and commitment. The department also acknowledged the encouragement of **Prof. Mani Kant Paswan**, Director, SLIET, and the supportive leadership of **Prof. Shankar Singh**, Head of the Mechanical & Civil Engineering Department, in fostering a positive and inclusive work culture. The department extends its sincere gratitude to **Mr. Harbans Singh** for his dedicated service and wishes him **a happy, healthy, and fulfilling retired life.**

Superannuation of Prof. Amrik Singh and Mr. Harbans Singh

The Department of Mechanical Engineering bid a heartfelt farewell to **Prof. Amrik Singh** and **Mr. Harbans Singh (MTS)** on their superannuation on **30 June 2026**. A retirement function was held on **1 July 2026**, attended by faculty, staff, and well-wishers. **Prof. Mani Kant Paswan,** Director, SLIET, along with **Prof. Ajat Shatru Arora**, Director In-Charge, and **Sh. Hari Mohan Arora**, Registrar, appreciated their valuable contributions and wished them a happy and fulfilling retired life. **Prof. Shankar Singh,** Head of the Department, also expressed gratitude for their dedicated service and commitment.


SANT LONGOWAL INSTITUTE OF ENGG. & TECH
LONGOWAL (Sangrur)
सेवानिवृत्ति समारोह


SANT LONGOWAL INSTITUTE OF ENGG. & TECH
LONGOWAL (Sangrur)


SANT LONGOWAL INSTITUTE OF ENGG. & TECH
LONGOWAL (Sangrur)
सेवानिवृत्ति समारोह


SANT LONGOWAL INSTITUTE OF ENGG. & TECH
LONGOWAL (Sangrur)

MECH-TIMES

Media Coverage of Events Conducted in Mechanical Department

One-Week STTP on "Advances in Additive Manufacturing (AAM-2026)" from 05th – 09th January 2026.

एडवांसिस इन एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग पर शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम करवाया

ओडिद मेनुदेवचरिता विच उतरांचो (एएएम-2026) विशे दा शिखलाणी प्रोगराम सलाणोट, लौंगोवाल विखे सफलता नाल संपन

सलाणीट लौंगोवाल विखे शार्ट टरम ट्रेनिंग प्रोगराम करवाइआ

अनुसंधान के लिए एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग टेक्निक्स का भविष्य उज्ज्वल : प्रो. शंकर

One week FDP on "Artificial Intelligence Applications in Mechanical Engineering: Future Tools (AIAME-2026)" from 18th–22nd May 2026.

Inaugural News

WEDNESDAY

एआई पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

भविष्य की तकनीकी प्रवृत्तियों पर विशेषज्ञ देंगे व्याख्यान

Valedictory News

एआइ एप्लीकेशंस पर एफडीपी संपन्न, विशेषज्ञों ने रखे विचार

WEDNESDAY

एसएलआईईटी में एआई पर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का हुआ समापन

Two-Day Hands-on Workshop on "Green Foundry Practices in Metal Casting (GFPMC-2026)" from 13th-14th February 2026.

Inaugural News

दैनिक भास्कर संगरूर भास्कर 14-02-2026

ग्रीन फाउंड्री प्रैक्टिस पर कार्यशाला शुरू

लौंगोवाल | संत लौंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसएलआईटी) में मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने ग्रीन फाउंड्री प्रैक्टिसेज इन मेटल कास्टिंग (जीएफपीएमसी-2026) पर दो दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की शुरुआत औपचारिक दीप प्रज्वलन और राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति के साथ हुई। उद्घाटन सत्र में एसएलआईटी के निदेशक प्रभारी प्रो. अजात शत्रु अरोड़ा उपस्थित थे, एसएलआईटी के निदेशक प्रो. मणिकांत पासवान ने कार्यशाला को अपना संरक्षण दिया। उन्होंने बताया कि हरित फाउंड्री प्रथाएं पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने, ऊर्जा की खपत को कम करने और तकनीकों के माध्यम से धातु कास्टिंग में संसाधन दक्षता को अनुकूलित करने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। प्रो. एस अरोड़ा ने कहा कि हरित प्रथाएं उद्योग 4.0 को स्थिरता के जरिये से बढ़ाने के लिए एक तंत्र के रूप में काम करती हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां पर्यावरणीय प्रभाव महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रीय विकास में योगदान देने वाली ऐसी तकनीकी कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की सराहना की। समारोह की अध्यक्षता मैकेनिकल एवं सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. शंकर सिंह ने की।

Two Days Hands-on Workshop on 'Green Foundry Practices in Metal Casting' (GFPMC-2026) Inaugurated at SLIET, Longowal

Vikram Sharma
Wednesday Times

Longowal, February 13:The Department of Mechanical Engineering at Sant Longowal Institute of Engineering and Technology (SLIET), Longowal, inaugurated a two-day hands-on workshop on "Green Foundry Practices in Metal Casting" (GFPMC-2026)" on Friday 13 February'2026. The workshop aims to promote sustainable and environmentally responsible foundry technologies by providing practical exposure to energy-efficient casting processes, waste minimization techniques, recycling practices, and environmental compliance in metal casting operations.The programme began with ceremonial lamp lighting and the rendition of Rashtriya Geet 'Vande Mataram', creating an inspiring atmosphere. The inaugural session was graced by Prof. Ajat Shatru Arora, Director Incharge, SLIET, whose presence added distinction to the programme. Prof. Mani Kant Paswan, Director, SLIET, extended his patronage to the workshop and formally inaugurated the Workshop with his virtual presence. He conveyed that 'Green foundry practices focus on minimizing environmental impact, reducing energy consumption, and optimizing resource efficiency in metal casting through techniques". In his address Prof. A.S. Arora emphasized that green practices serve as a mechanism to enhance industry 4.0 from a sustainability perspective, particularly in sectors where environmental effect is significant. He appreciated the Department of Mechanical Engineering for organizing such technical workshops and programmes that contribute to national development. Prof. A. S. Shahi, Dean (Academics), attended as Co-Patron, and stated that Green Foundry fully complies with environmental laws, prioritizing the use of clean energy sources. Prof. Shankar Singh, Head of Mechanical & Civil Engineering, presided over the function. He addressed the participants about the importance of the workshop and stated that green foundries highlight the metal casting industry's transformative shift towards sustainability, energy efficiency, and eco-friendly practices. The workshop is being coordinated by Dr. Rakesh Kumar, Dr. Mohd. Majid, and Er. Divesh Bharti. Dr. Rakesh Kumar, Associate Professor, Department of Mechanical Engineering, and Coordinator of the workshop highlighted the objectives of the programme and stressed the need for green foundry practices in achieving sustainable industrial development.The workshop includes hands-on sessions in the Advanced Casting Laboratory, covering green moulding techniques, defect analysis, recycling and waste minimization, emission control, and environmental regulations in foundry operations. Faculty members, research scholars, and students from the institute are actively participating in the programme.

WEDNESDA

ਐਸ ਐਲ ਆਈ ਈ ਟੀ, ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਵਿਖੇ 'ਗਰੀਨ ਫਾਊਂਡਰੀ ਪ੍ਰੈਕਟਿਸਜ਼ ਇਨ ਮੈਟਲ ਕਾਸਟਿੰਗ' (ਜੀ ਐੱਫ ਪੀ ਐੱਮ ਸੀ -2026) 'ਤੇ ਦੋ ਦਿਨਾਂ ਹੈਂਡ-ਆਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ

ਦੇਵ ਦਾਣੀਮੰਜ

ਲੌਂਗੋਵਾਲ, 13 ਫਰਵਰੀ (ਵਰਮਾ) ਸੰਤ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ (ਐਸਐਲਆਈਈਟੀ), ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਵਿੱਚ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਸ਼ੁੱਕਰਵਾਰ 13 ਫਰਵਰੀ, 2026 ਨੂੰ ਤਰਲ ਫਾਊਂਡਰੀ ਪ੍ਰੈਕਟਿਸਜ਼ ਇਨ ਮੈਟਲ ਕਾਸਟਿੰਗ (ਜੀ ਐੱਫ ਪੀ ਐੱਮ ਸੀ -2026) ਵਿਸ਼ੇ 'ਤੇ ਦੋ ਰੋਜ਼ਾ ਹੈਂਡ-ਆਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਕੀਤਾ।

ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਰਸਮੀ ਰੌਸ਼ਨੀ ਤੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਗੀਤ 'ਵੰਦੇ ਮਾਤਰਮ' ਦੇ ਅਰੰਭ ਨਾਲ ਹੋਈ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਇਕ ਪ੍ਰੇਰਨਾਦਾਇਕ ਮਾਹੌਲ ਬਣਿਆ। ਉਦਘਾਟਨੀ ਸੈਸ਼ਨ ਨੂੰ ਪ੍ਰੋ. ਅਜਾਤ ਸ਼ਤਰੂ ਅਰੋੜਾ, ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਇੰਚਾਰਜ, ਐਸ ਐਲ ਆਈ ਈ ਟੀ. ਨੇ ਸਿਰਕਤ ਕੀਤੀ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮੌਜੂਦਗੀ ਨੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਤਾ ਵਧਾ ਦਿੱਤੀ। ਪ੍ਰੋ. ਮਣੀਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ, ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਐਸ ਐਲ ਆਈ ਈ ਟੀ. ਨੇ ਵਰਚੁਅਲ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਆਪਣੀ ਸਰਪ੍ਰਸਤੀ ਵਧਾਉਂਦਿਆਂ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਹਰੇ ਫਾਊਂਡਰੀ ਅਭਿਆਸ ਵਾਤਾਵਰਣ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣ, ਊਰਜਾ ਦੀ ਖਪਤ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣ ਅਤੇ ਕਾਰਜਾਂ ਵਿੱਚ ਕੁਸ਼ਲਤਾ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਤਕਨੀਕਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਰਾਹੀਂ ਧਾਤ ਕਾਸਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਸਥਿਰ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ।

ਆਪਣੇ ਸੰਬੋਧਨ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰੋ. ਏ. ਐਸ. ਅਰੋੜਾ ਨੇ ਇਸ ਗੱਲ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੱਤਾ ਕਿ ਹਰੇ ਅਭਿਆਸ ਉਦਯੋਗ 4.0 ਨੂੰ ਸਥਿਰਤਾ ਦੇ ਨਜ਼ਰੀਏ ਤੋਂ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਇੱਕ ਵਿਧੀ ਵਜੋਂ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ, ਖਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਜਿੱਥੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਪ੍ਰਭਾਵ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਹੈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਸਹਪ੍ਰਸਤੀ ਦਿੰਦਿਆਂ ਕਿਹਾ ਕਿ ਹਰੇ ਫਾਊਂਡਰੀ ਅਭਿਆਸ ਵਾਤਾਵਰਣ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣ, ਊਰਜਾ ਦੀ ਖਪਤ ਨੂੰ ਘਟਾਉਣ ਅਤੇ ਕਾਰਜਾਂ ਵਿੱਚ ਕੁਸ਼ਲਤਾ ਵਧਾਉਣ ਲਈ ਤਕਨੀਕਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਰਾਹੀਂ ਟਿਕਾਊ ਉਦਯੋਗਿਕ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ।

ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਣੀ ਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਨੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਨੂੰ ਆਪਣਾ ਸਰਪ੍ਰਸਤੀ ਦਿੱਤਾ ਅਤੇ ਰਸਮੀ ਤੌਰ 'ਤੇ ਵਰਚੁਅਲ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦਾ ਉਦਘਾਟਨ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ 'ਹਰੇ ਫਾਊਂਡਰੀ ਅਭਿਆਸ ਊਰਜਾ ਕੁਸ਼ਲ ਭੱਠੀਆਂ, ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਅਭਿਆਸਾਂ ਅਤੇ ਘੱਟ ਨਿਕਾਸ ਤਕਨੀਕਾਂ ਵਰਗੀਆਂ ਟਿਕਾਊ ਧਾਤ ਕਾਸਟਿੰਗ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆਵਾਂ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦਿੰਦੇ ਹਨ।' ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਇਸ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੀ ਸਫਲਤਾ ਦੀ ਕਾਮਨਾ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਇਸ ਨੂੰ ਰਸਮੀ ਤੌਰ 'ਤੇ ਖੋਲ੍ਹਿਆ ਦੱਸਿਆ।

Dainik Jagran

स्लाइट में मेटल कास्टिंग में ग्रीन फाउंड्री प्रैक्टिस वर्कशाप शुरू

लौंगोवाल संवाद में उपेंद्रपाल दीवान जानकारी देते हुए। इनसेट में प्रो. सतीश

Valedictory News

दैनिक भास्कर संगरूर भास्कर 15-02-2026

धातु ढलाई में हरित फाउंड्री प्रथाएं पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

भास्कर न्यूज़ | लौंगोवाल

संत लौंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसएलआईटी), लौंगोवाल के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित धातु ढलाई में हरित फाउंड्री प्रथाएं (जीएफपीएमसी-2026) पर दो दिवसीय व्यावहारिक कार्यशाला सफलतापूर्वक समाप्त हुई। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर मणि कांत पासवान ने अपने समापन संदेश में आयोजकों और प्रतिभागियों को बधाई दी। तुलिक पर की फाउंड्रीज पारंपरिक प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय प्रभाव को समझ रही हैं और कार्बन उत्सर्जन को कम करने, संसाधन दक्षता में सुधार करने और वैश्विक विपरीत लक्ष्यों के अनुरूप रणनीतियां लागू कर रही हैं। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ऐसे तकनीकी कार्यशालाओं और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए सराहना की जो राष्ट्रीय विकास में योगदान देते हैं।

इस दौरान भतीजी प्रयासरत प्रो. संजय सिंह, मकैनिक एवं नागरिक अभियांत्रिकी के प्रमुख और कार्यशाला के अध्यक्ष द्वारा विशिष्ट किए गए, जिन्होंने उन्हें अपने पक्षिय के पेशेवर कार्य में सहत इंजीनियरिंग प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसमें 60 से अधिक पंजीकरण शामिल हुए। कार्यशाला का समन्वय डॉ. एकता कुमार, डॉ. मोहम्मद माजिद और अधिकांत दिवेश भारती ने किया, जो इस कार्यक्रम के संस्थान व्यक्ति भी थे। उनकी कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम सामने आया, जो प्रतिभागियों की प्रतिक्रिया में स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। सही कुमार रंजन, प्रयोगशाला तकनीशियन, ने व्यावहारिक प्रदर्शन प्रस्तुत किए और परीक्षण उपकरण संचालित करने में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इससे मूल्यवान व्यावहारिक सीख हासिल हुई।

ਐਸ ਐਲ ਆਈ ਈ ਟੀ, ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਵਿੱਚ ਮੈਟਲ ਕਾਸਟਿੰਗ ਵਿੱਚ ਹਰੇ ਭਟਿਆਰੀ ਅਭਿਆਸ 'ਤੇ ਦੋ ਦਿਨਾ ਦਾ ਹੱਥੋਂ-ਹੱਥ ਕਾਰਗੁਜ਼ਾਰੀ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਮਾਪਤ ਹੋਇਆ

ਦੇਵ ਦਾਣੀਮੰਜ

ਲੌਂਗੋਵਾਲ, 14 ਫਰਵਰੀ (ਵਰਮਾ) ਸੰਤ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਅਤੇ ਟੈਕਨੋਲੋਜੀ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ (ਐਸਐਲਆਈਈਟੀ), ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਵਿੱਚ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਆਯੋਜਿਤ ਤਿੰਨ ਰੋਜ਼ਾ ਹੈਂਡ-ਆਨ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸ਼ਨੀਵਾਰ 14 ਫਰਵਰੀ ਨੂੰ ਸਮਾਪਤ ਹੋਇਆ।

ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੌਰਾਨ, ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੇ ਐਡਵਾਂਸਡ ਕਾਸਟਿੰਗ ਅਤੇ ਐਸਓਐਫ ਸੈਂਬੰਡਰਜ਼ ਵਿੱਚ ਹੱਥ-ਅਨੁਭਵੀ ਸਿਖਲਾਈ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ ਹਰੀ ਮੋਲਡਿੰਗ ਤਕਨੀਕਾਂ, ਖ਼ਰਾਬੀ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ, ਰੀਸਾਈਕਲਿੰਗ ਅਤੇ ਫੁੱਟਰ ਘਟਾਉਣ, ਉਤਸਰਜਨ ਨਿਯੰਤਰਣ, ਅਤੇ ਫਾਊਂਡਰੀ ਆਪਰੇਸ਼ਨਾਂ ਵਿੱਚ ਵਾਤਾਵਰਨੀਕ ਨਿਯਮਾਂ ਦਾ ਸਮਾਵੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਸ਼ਿਨਿਲ ਹਾਰਡਨੈਸ ਟੈਸਟਿੰਗ, ਵਿਕਰਸ ਹਾਰਡਨੈਸ ਟੈਸਟਿੰਗ, ਪ੍ਰਭਾਵ ਟੈਸਟਿੰਗ ਅਤੇ ਟੈਂਸਾਈਲ ਟੈਸਟਿੰਗ 'ਤੇ ਪ੍ਰਯੋਗਾਤਮਕ ਸੈਸ਼ਨ ਵੀ ਕਰਵਾਏ ਗਏ। ਪ੍ਰੋ. ਮਣੀ ਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ, ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਐਸਐਲਆਈਈਟੀ ਨੇ ਪ੍ਰਯੋਗਾਤਮਕ ਸੈਸ਼ਨ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੋਧਨ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਆਪਣੇ ਸੰਦੇਸ਼ ਵਿੱਚ ਆਪਣੇ ਅਤੇ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਦੁਨੀਆ ਭਰ ਦੀਆਂ ਫਾਊਂਡਰੀਆਂ ਰਵਾਇਤੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆਵਾਂ ਤੋਂ ਵਾਤਾਵਰਣ 'ਤੇ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨੂੰ ਮੰਨ ਰਹੀਆਂ ਹਨ ਅਤੇ ਕਾਰਬਨ ਫੁੱਟਪ੍ਰਿੰਟ ਘਟਾਉਣ, ਸਾਧਨਾਂ ਦੀ ਕੁਸ਼ਲ ਵਰਤੋਂ ਸੁਧਾਰਣ ਅਤੇ ਵਿਸ਼ਵ ਵਿਆਪੀ ਸਤਤ ਵਿਕਾਸ ਦੇ ਲਕਸ਼ਾਂ ਨਾਲ ਸੰਗਤ ਕਰਨ ਲਈ ਰਣਨੀਤੀਆਂ ਲਾਗੂ ਕਰ ਰਹੀਆਂ ਹਨ। ਉਹ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਡਿਪਾਰਟਮੈਂਟ ਦੀ ਤਾਰੀਫ਼ ਕਰਦੇ ਹਨ ਕਿ ਐਸੀ ਤਕਨੀਕੀ ਵਰਕਸ਼ਾਪਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਆਯੋਜਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਸੈ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਵਿਕਾਸ ਵਿੱਚ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ।

ਵੈਲੇਡਿਕਟਰੀ ਸੈਸ਼ਨ ਦੌਰਾਨ, ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੇ ਸਕਾਰਾਤਮਕ ਪ੍ਰਤਿਕਿਰਿਆ ਸਾਂਝੀ ਕੀਤੀ ਅਤੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੀ ਪ੍ਰਯੋਗਾਤਮਕ ਦਿਸ਼ਾ ਅਤੇ ਤਕਨੀਕੀ ਸਥਿਰਤਾ ਦੀ ਕਦਰ ਕੀਤੀ। ਭਾਗੀਦਾਰੀ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ ਸੰਕਰ ਸਿੰਘ, ਮਕੈਨੀਕਲ ਅਤੇ ਸਿਵਿਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਅਤੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੇ ਚੇਅਰਪਰਸਨ ਦੁਆਰਾ ਵੰਡੇ ਗਏ, ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਨਿਰਭਰਤਾ ਵਾਲੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਅਭਿਆਸਾਂ ਨੂੰ ਡਿਵਿੱਚ ਵਿੱਚ ਆਪਣੇ ਪ੍ਰੋਫੈਕਟ ਕੋਮ ਵਿੱਚ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਭਾਗੀਦਾਰਾਂ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਸੰਭ ਦਿਤਾ ਕਿ ਸਤਤ ਫਾਊਂਡਰੀ ਲਈ ਉਰਜਾ ਦੀ ਖਪਤ ਘਟਾਉਣਾ ਮੁੱਖ ਧਿਆਨ ਦਾ ਕੇਂਦਰ ਹੈ, ਅਤੇ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਦੀ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਕਾਸਟਿੰਗ ਉਦਯੋਗ ਦੇ ਹਰੀਕਰਨ ਵਾਲੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਵਧਾਉਣ ਵਿੱਚ ਸਹਾਇਕ ਹੋਵੇਗੀ।

ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੀ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰ ਡਾ. ਰਾਕੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ, ਡਾ. ਮੁਹੰਮਦ ਮਾਜਿਦ ਅਤੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਦਿਵੇਸ਼ ਭਾਰਤੀ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤੀ ਗਈ, ਜੋ ਰਿਸੋਰਸ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵੀ ਸਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਿਹਨਤ ਅਤੇ ਉਤਕ੍ਰਿਸ਼ਟਤਾ ਦੇ ਪ੍ਰਤੀਬਿੰਬ ਨੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਦੀ ਸਫਲਤਾ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਯੋਗਦਾਨ ਪਾਇਆ। ਸ਼੍ਰੀ ਸ਼ਾਹੀ ਕੁਮਾਰ ਰੰਜਨ, ਲੈਬੋਰਟਰੀ ਟੈਕਨੀਸ਼ੀਅਨ, ਨੇ ਪ੍ਰਯੋਗਾਤਮਕ ਡੈਮੋਨਸਟ੍ਰੇਸ਼ਨ ਦਿੱਤੀ ਅਤੇ ਸਹਭਾਗੀ ਨੂੰ ਟੈਸਟਿੰਗ ਉਪਕਰਨ ਚਲਾਉਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਨਾਲ ਕੀਮਤੀ ਹੱਥ-ਅਨੁਭਵ ਸਿਖਣ ਦਾ ਮੌਕਾ ਮਿਲਿਆ।

MECH-TIMES

Two-Day National Workshop on "National Education Policy-2020: Innovation and Implementation in Polytechnic Education" from 26–27 February 2026.

संत लोंगोवाल इंजीनीअरिंग अते तकनालॅजी विखे प्रोगराम आर्गेजित

जागरण सिटी संगरूर/बरनाल

शिक्षा प्रत्येक वर्ग और परिवार को एकता के सूत्र में बांध कर रखती है : डा. कोठारी

लोंगोवाल में पालिटेक्निक शिक्षा के लिए [illegible] के लिए कार्यशाला करवाई

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ ਤੇ ਵਰਕਸ਼ਾਪ ਕਰਵਾਈ

ਅਜੀਤ

Wednesday Times
National Newspaper

SLIET Longowal jointly organizes NEP-2020 workshop to chart new path for polytechnic education

ALI HUSSAIN
WednesdayTimes

Under the National Education Policy-2020, several initiatives are being taken to transform various areas of education.Under the visionary leadership of Prof Mani Kant Paswan, Director SLIET, the Sant Longowal Institute of Engineering and Technology (SLIET), Longowal, in association with National Institute of Technical Teachers Training & Research (NITTTR) Chandigarh and Shiksha Sanskriti Utthan Nyas (शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास), New Delhi, organised a Two-days National Workshop on "National Education Policy 2020: Innovation and implementation in Polytechnic Education", from February 26-27, 2026.Prof. Shankar Singh, Head of the Department (Mechanical & Civil) was assigned the responsibility as Coordinator of this two-day workshop from SLIET, Longowal. The Executive Members of the two-day workshop from SLIET, Longowal being Dr Surinder Kumar, Dr Pankaj Kumar Das, Dr Anuj Bansal and Dr Tajinder Singh, Er. Jonny Singla SLIET-ME Deptt participated in the workshop. Coordinator from NITTTR, Chandigarh was Dr Meenakshi Sood.The two-day national workshop on "National Education Policy-2020: Innovation and Implementation in Polytechnic Education" was inaugurated on Thursday 26th February 2026 at NITTTR Chandigarh, by Chief Guest Dr. Atul Kothari, National Secretary of Shiksha Sanskriti Utthan Nyas, New Delhi who emphasized that education unites every class and family, and the NEP 2020, rooted in nationalism, aims to foster holistic development of knowledge, skills, and character for a developed India. Prof. Manikant Paswan, Director SLIET, Longowal, emphasized that technical teacher training is vital for effective skill development, examination reforms, and curriculum implementation. He spoke on the vital role of polytechnic institutions in advancing vocational training.Prof. Bhola Ram Gurjar, Director of NITTTR, Chandigarh urged institutions to embrace new opportunities and challenges in skill and entrepreneurship development. Dr. Ranjit Prasad National Co-cordinator (Technical Education) SSUN, New Delhi highlighted the importance of promoting the Indian knowledge system and stressed that technical books should be written and translated in Hindi and regional languages to ensure wider accessibility.Prof. Shankar Singh stated that implementing NEP 2020 in the Indian educational system will create skilled workforce and will act as a catalyst for Viksit Bharat. More than 60 academicians and Technical Education Officials from across the country (Punjab, Chandigarh, Uttar Pradesh, Uttrakhand, Rajasthan, Haryana, Himachal Pradesh, Chattisgarh) participated in the two-day workshop. During the valedictory ceremony on 27th February'26, participation certificates were distributed by Prof. Mani Kant Gurjar and Prof. Rajive Kumar, Vice Chancellor, JCBUST, YMCA, Faridabad and Coordinator Prof. Shankar Singh. The participants were encouraged to serve as role models in their respective polytechnics and technical institutions by ensuring adherence National Education Policy-2020.

Visit of Padma Shri Awardee Shri Rajinder Gupta to SLIET Longowal

VISIT OF PADAM SHRI RAJINDER GUPTA TO SLIET LONGOWAL

Vikram Sharma
Wednesday Times

Longowal January 22-:Sant Longowal Institute of Engineering and Technology (SLIET), Longowal was honoured by the visit of Padam Shri Rajinder Gupta, Chairman Emeritus, Trident Group, on 21 January 2026. During his visit, Shri Rajinder Gupta announced significant support for strengthening the academic and research infrastructure of the Institute.He announced financial assistance of ?1 Crore has been committed towards Laboratory Development, with the objective of upgrading experimental facilities and enhancing hands-on learning opportunities for students.He also announced that the Trident Group will recruit 100 interested eligible diploma students with first class. In addition, it was proposed to introduce industry-relevant focus areas for faculty members and students to align academic activities with emerging technological and industrial needs. The proposed thrust areas include:• Sustainability and Green Engineering• Applications of Artificial Intelligence in Engineering• Failure Analysis of Electrical and Mechanical EquipmentThis generous support and strategic guidance are expected to play a vital role in fostering innovation, improving research capabilities, and strengthening industry–academia collaboration at SLIET.Padam Shri Rajinder Gupta admired the visionary leadership of Prof. Mani Kant Paswan, Director, SLIET. Sh. Gupta extended his best wishes to SLIET, Longowal under the extensive experience and innovative vision of Prof. Paswan.

ਪਦਮ ਸ਼੍ਰੀ ਰਜਿੰਦਰ ਗੁਪਤਾ ਦਾ ਸਲਾਈਟ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਦਾ ਦੌਰਾ

ਦੇਵ ਟਾਈਮਜ਼

ਲੌਂਗੋਵਾਲ, 22 ਜਨਵਰੀ (ਵਰਮਾ)

ਸੰਤ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ (ਸਲਾਈਟ), ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਨੂੰ 21 ਜਨਵਰੀ 2026 ਨੂੰ ਟ੍ਰਾਈਡੈਂਟ ਗਰੁੱਪ ਦੇ ਚੇਅਰਮੈਨ ਐਮਰੀਟਸ ਪਦਮ ਸ਼੍ਰੀ ਰਜਿੰਦਰ ਗੁਪਤਾ ਦੇ ਦੌਰੇ ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਆਪਣੇ ਫੇਰੀ ਦੌਰਾਨ, ਸ਼੍ਰੀ ਰਜਿੰਦਰ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਸੰਸਥਾ ਦੇ ਅਕਾਦਮਿਕ ਅਤੇ ਖੋਜ ਬੁਨਿਆਦੀ ਢਾਂਚੇ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਲਈ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਸਹਾਇਤਾ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਪ੍ਰਯੋਗਸ਼ਾਲਾ ਵਿਕਾਸ ਲਈ ?1 ਕਰੋੜ ਦੀ ਵਿੱਤੀ ਸਹਾਇਤਾ ਦਾ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ, ਜਿਸਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗਾਤਮਕ ਸਹੂਲਤਾਂ ਨੂੰ ਅਪਗ੍ਰੇਡ ਕਰਨਾ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਵਿਹਾਰਕ ਸਿੱਖਣ ਦੇ ਮੌਕਿਆਂ ਨੂੰ ਵਧਾਉਣਾ ਹੈ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਇਹ ਵੀ ਐਲਾਨ ਕੀਤਾ ਕਿ ਟ੍ਰਾਈਡੈਂਟ ਗਰੁੱਪ ਪਹਿਲੇ ਦਰਜੇ ਦੇ 100 ਦਿਲਚਸਪੀ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਯੋਗ ਡਿਪਲੋਮਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਭਰਤੀ ਕਰੇਗਾ। ਇਸ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ, ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰਾਂ ਅਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਉੱਭਰ ਰਹੀਆਂ ਤਕਨੀਕੀ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਜ਼ਰੂਰਤਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਅਕਾਦਮਿਕ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਨੂੰ ਇਕਸਾਰ ਕਰਨ ਲਈ ਉਦਯੋਗ-ਸੰਬੰਧਿਤ ਫੋਕਸ ਖੇਤਰਾਂ ਨੂੰ ਪੇਸ਼ ਕਰਨ ਦਾ ਪ੍ਰਸਤਾਵ ਰੱਖਿਆ ਗਿਆ ਸੀ।

ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਜ਼ੋਰ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਸਥਿਰਤਾ ਅਤੇ ਹਰਾ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ, ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿੱਚ ਆਰਟੀਫੀਸ਼ੀਅਲ ਇੰਟੈਲੀਜੈਂਸ ਦੇ ਉਪਯੋਗ, ਇਲੈਕਟ੍ਰੀਕਲ ਅਤੇ ਮਕੈਨੀਕਲ ਉਪਕਰਣਾਂ ਦਾ ਅਸਫਲਤਾ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹਨ। ਇਸ ਉਦਾਰ ਸਮਰਥਨ ਅਤੇ ਰਣਨੀਤਕ ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਤੋਂ ਸਲਾਈਟ ਵਿਖੇ ਨਵੀਨਤਾ ਨੂੰ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਕਰਨ, ਖੋਜ ਸਮਰੱਥਾਵਾਂ ਨੂੰ ਬਿਹਤਰ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਉਦਯੋਗ-ਅਕਾਦਮਿਕ ਸਹਿਯੋਗ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਉਣ ਦੀ ਉਮੀਦ ਹੈ।

ਪਦਮ ਸ਼੍ਰੀ ਰਜਿੰਦਰ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ, ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਸਲਾਈਟ ਦੀ ਦੂਰਦਰਸ਼ੀ ਅਗਵਾਈ ਦੀ ਪ੍ਰਸ਼ੰਸਾ ਕੀਤੀ। ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਪਤਾ ਨੇ ਪ੍ਰੋ. ਪਾਸਵਾਨ ਦੇ ਵਿਆਪਕ ਅਨੁਭਵ ਅਤੇ ਨਵੀਨਤਾਕਾਰੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਟੀਕੋਣ ਦੇ ਤਹਿਤ ਸਲਾਈਟ, ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਨੂੰ ਆਪਣੀਆਂ ਸ਼ੁਭਕਾਮਨਾਵਾਂ ਦਿੱਤੀਆਂ।

Industrial Visit to Bhakra Nangal Dam by Students of Mechanical Engineering, SLIET Longowal

WEDNESDAY Times
NATIONAL HINDI MAGAZINE

Industrial Visit to Bhakra Nangal Dam Organized by Department of Mechanical Engineering, SLIET, Longowal

ALI HUSSAIN
WednesdayTimes

Longowal, May 6:The Department of Mechanical Engineering at SLIET, Longowal successfully organized an industrial visit to Bhakra Nangal Dam for B.Tech Mechanical 3rd year students on May 6, 2026. The visit aimed to provide practical exposure to dam construction, hydropower generation, and reservoir management.The visit was conducted under the guidance of Director, SLIET Prof. Mani Kant Paswan and Head of Department (Mechanical & Civil) Prof. Shankar Singh. It was well coordinated by Dr. Vivek Kumar and Er. Divesh Bharti.A group of around 70 students were accompanied by Faculty of the Mechanical Engineering Dr. Anuj Bansal, Er. Jonny Singla, Er. Divesh Bharti, Dr. Tejinder Pal Singh, and Dr. Shikha, for the industrial visit to Bhakra Nangal Dam.Prof. Shankar Singh stated that the aim of industrial visit is to get thorough insights of construction, working and maintenance of dams.Director, SLIET while wishing a happy and knowledgeable industrial visit to the students expressed that the industrial visit to Nangal Dam is a valuable educational experience for students in the field of engineering. It will provide an insight into the practical implementation of theoretical concepts and the real-time functional environment of dam construction. During the visit, students gained valuable insights at Bhakra Beas Management Board, regarding structure, working, and maintenance of the dam. Key topics included dam health monitoring systems, lifespan considerations, and challenges such as silting in reservoir. The department expressed gratitude to the Institute authorities for their support and appreciated the efforts of Prof. Shankar Singh, Head of the Department. Student coordinators also played an active role in ensuring smooth organization and discipline throughout the trip.

ਭਾਖੜਾ ਨੰਗਲ ਡੈਮ ਦਾ ਉਦਯੋਗਿਕ ਦੌਰਾ, ਸੰਤ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ ਦੇ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਆਯੋਜਿਤ

ਦੇਵ ਟਾਈਮਜ਼

ਲੌਂਗੋਵਾਲ, 6 ਮਈ (ਵਰਮਾ)

ਸੰਤ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ ਦੇ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਨੇ 6 ਮਈ, 2026 ਨੂੰ ਬੀ.ਟੈਕ ਮਕੈਨੀਕਲ ਤੀਜੇ ਸਾਲ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਭਾਖੜਾ ਨੰਗਲ ਡੈਮ ਦਾ ਇੱਕ ਉਦਯੋਗਿਕ ਦੌਰਾ ਸਫ਼ਲਤਾਪੂਰਵਕ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਦੌਰੇ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਡੈਮ ਨਿਰਮਾਣ, ਪਣ-ਬਿਜਲੀ ਉਤਪਾਦਨ ਅਤੇ ਜਲ ਭੰਡਾਰ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਬਾਰੇ ਵਿਹਾਰਕ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ ਸੀ।

ਇਹ ਦੌਰਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀ ਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਅਤੇ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਮੁਖੀ (ਮਕੈਨੀਕਲ ਅਤੇ ਸਿਵਲ), ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਕੁਸ਼ਲਤਾ ਨਾਲ ਤਾਲਮੇਲ ਡਾ. ਵਿਵੇਕ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਡਾ. ਤੇਜਿੰਦਰ ਪਾਲ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਡਾ. ਸ਼ਿਖਾ ਪੰਤ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੌਰੇ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵਾਸਤਵਿਕ ਸੰਸਾਰ ਦੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਅਭਿਆਸਾਂ ਨਾਲ ਜੋੜਨ ਅਤੇ ਡੈਮ ਸੰਚਾਲਨ ਦੇ ਵਾਤਾਵਰਣਕ ਵਾਤਾਵਰਣ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਦੇ ਮੌਕੇ ਵਜੋਂ ਦੱਸਿਆ।

ਦੌਰੇ ਦੌਰਾਨ, ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਭਾਖੜਾ ਬਿਆਸ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਬੋਰਡ ਵਿਖੇ ਡੈਮ ਦੀ ਬਣਤਰ, ਕੰਮਕਾਜ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਸੰਬੰਧੀ ਵਿਸਤ੍ਰਿਤ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ। ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸ਼ੁਭਕਾਮਨਾਵਾਂ ਦਿੰਦੇ ਹੋਏ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਵਿਹਾਰਕ ਸੰਪਰਕ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਸਿੱਖਿਆ ਨੂੰ ਮਜ਼ਬੂਤ ਕਰਨ ਵਿੱਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਨ ਭੂਮਿਕਾ ਨਿਭਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਿਧਾਂਤਕ ਗਿਆਨ ਨੂੰ ਅਸਲ-ਸੰਸਾਰ ਨਿਰੀਖਣ ਸਮਰਥਨ ਲਈ ਪੈਨਖਾਦ ਕੀਤਾ ਅਤੇ ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਦੇ ਯਤਨਾਂ ਦੀ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ। ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਕੋਆਰਡੀਨੇਟਰਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੇ ਦੌਰੇ ਦੌਰਾਨ ਸੁਚਾਰੂ ਸੰਗਠਨ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣ ਅਤੇ ਅਨੁਸ਼ਾਸਨ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣ ਵਿੱਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਸਰਗਰਮ ਭੂਮਿਕਾ ਲਈ ਵੀ ਮਾਨਤਾ ਦਿੱਤੀ ਗਈ।

ਸਲਾਇਟ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ ਗਿਆਨ ਲਈ ਭਾਖੜਾ ਨੰਗਲ ਡੈਮ ਦਾ ਦੌਰਾ

ਸਲਾਇਟ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੰਗਲ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਵਿਖੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨਾਲ ਭਾਖੜਾ ਡੈਮ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ।

ਸੰਤ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ (ਸਲਾਇਟ) ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਦੇ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਬੀ.ਟੈਕ ਮਕੈਨੀਕਲ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਭਾਖੜਾ ਨੰਗਲ ਡੈਮ ਦੇ ਉਦਯੋਗਿਕ ਦੌਰੇ ਦਾ ਪ੍ਰਬੰਧ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਦੌਰੇ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਡੈਮ ਨਿਰਮਾਣ, ਪਣ-ਬਿਜਲੀ ਉਤਪਾਦਨ ਅਤੇ ਜਲ ਭੰਡਾਰ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਬਾਰੇ ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨਾ ਸੀ। ਇਹ ਦੌਰਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਅਤੇ ਮਕੈਨੀਕਲ ਅਤੇ ਸਿਵਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਮੁਖੀ ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਯਾਤਰਾ ਦਾ ਕੁਸ਼ਲਤਾ ਨਾਲ ਪ੍ਰਬੰਧ ਅਤੇ ਤਾਲਮੇਲ ਡਾ. ਵਿਵੇਕ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਡਾ. ਤੇਜਿੰਦਰ ਪਾਲ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਯਾਤਰਾ ਵਿੱਚ ਬੀ. ਟੈਕ. ਮਕੈਨੀਕਲ ਤੀਜੇ ਸਾਲ ਦੇ 70 ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਵਜੋਂ ਡਾ. ਅਨੁਜ ਬਾਂਸਲ, ਇੰਜ. ਜੌਨੀ ਸਿੰਗਲਾ, ਇੰਜ. ਦਿਵੇਸ਼ ਭਾਰਤੀ, ਡਾ. ਤੇਜਿੰਦਰ ਪਾਲ ਸਿੰਘ ਅਤੇ ਡਾ. ਸ਼ਿਖਾ ਪੰਤ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਦੱਸਿਆ ਕਿ ਉਦਯੋਗਿਕ ਦੌਰੇ ਦੌਰਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਡੈਮ ਦੇ ਬੁਨਿਆਦੀ ਢਾਂਚੇ ਦੇ ਨਿਰਮਾਣ, ਕੰਮਕਾਜ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਬਾਰੇ ਡੂੰਘਾਈ ਨਾਲ ਸਮਝ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ ਗਈ। ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਦੌਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਅਕਾਦਮਿਕ ਸਮਝ ਨੂੰ ਅਮੀਰ ਬਣਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੌਰੇ ਦੌਰਾਨ ਡੈਮ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਵਲੋਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਭਾਖੜਾ ਬਿਆਸ ਡੈਮ ਦੀ ਬਣਤਰ, ਕੰਮਕਾਜ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਸੰਬੰਧੀ ਕੀਮਤੀ ਸਮਝ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ।

स्लाइट के विद्यार्थियों ने एचएमईएल बठिंडा का दौरा किया

लोंगोवाल संवाददाता, जागरण • जागरण संवाददाता, लोंगोवाल: संत लोंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने बीटेक मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों के लिए एचएमईएल-मित्तल एनर्जी लिमिटेड बठिंडा का औद्योगिक दौरा आयोजित किया। इस टीम को उद्देश्य बच्चों को विस्तृतमें संचालन, औद्योगिक सुरक्षा प्रणाली, स्वचालन प्रणालियों और काम में बड़े स्तर सिद्धांतों के व्यावहारिक जीवन में उपयोग का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था।

यह टीम संस्थान के निदेशक प्रो. मणिकांत पासवान के नेतृत्व में विभागाध्यक्ष प्रो. शंकर सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। टीम का समन्वय डॉ. विवेक कुमार व इंजीनियर दिवेश भारती ने किया। लगभग 45 छात्रों ने इस विजिट में भाग लिया। उनके साथ डॉ. विवेक कुमार, इंजीनियर दिवेश भारती, इंजीनियर तनिश अहूजा और डा. अर्पण ठाकुर भी मौजूद रहे। टीम के दौरान छात्रों ने सिस्टमकी विभिन्न इकाइयों, सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियों, प्रक्रिया नियंत्रण तकनीकों, स्वचालन कार्यों व उन्नत क्षेत्र में अपनाई जा रही आधुनिक औद्योगिक प्रक्रियाओं को विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

विभागाध्यक्ष प्रो. शंकर सिंह ने कहा कि ऐसे औद्योगिक दौरे छात्रों को व्यावहारिक पृष्ठभूमि, औद्योगिक अनुशासन और गंभीरता तकनीकों को समझने में मदद करते हैं। निदेशक प्रो. मणि कांत पासवान ने कहा कि उद्योग और शिक्षा के बीच तालमेल मजबूत करना इंजीनियरों के लिए आवश्यक है। मैकेनिकल विभाग ने इस विजिट को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए एचएमईएल के प्रशासन एजिंग मित्तल सहित संस्थान के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट विभाग और एचएमईएल टीम का आभार व्यक्त किया। यह इंडस्ट्रियल टूर छात्रों के लिए ज्ञानवर्धक और व्यावहारिक अनुभव साबित हुआ।

Dainik Jagran: 13-05-2026

MECH-TIMES

WEDNESDAY Times
NATIONAL HINDI MAGAZINE

Industrial Visit to HMEL, Bathinda Organized by Department of Mechanical Engineering, SLIET, Longowal

ALI HUSSAIN
WednesdayTimes

Longowal, 12th May 2026:The Department of Mechanical Engineering at Sant Longowal Institute of Engineering and Technology (SLIET) successfully organized an industrial visit to HPCL-Mittal Energy Limited (HMEL), Bathinda, for the B.Tech Mechanical Engineering 3rd year students. The visit aimed to provide practical exposure to refinery operations, industrial safety practices, maintenance systems, and the real-life application of concepts studied in the classroom.The industrial visit was conducted under the guidance of Director, SLIET, Prof. Mani Kant Paswan, and Head of Department (Mechanical & Civil Engineering), Prof. Shankar Singh. The visit was well coordinated by Dr. Vivek Kumar and Er. Divesh Bharti. Around 45 students participated in the educational tour and were accompanied by faculty members including Dr. Vivek Kumar, Er. Divesh Bharti, Er. Lalit Ahuja, and Dr. Archana Thakur.During the visit, students gained valuable insights into the functioning of HMEL's Guru Gobind Singh Refinery, one of India's leading integrated refinery-petrochemical complexes. The students were introduced to various refinery units, safety management systems, maintenance operations, process control techniques, and modern industrial practices followed in the energy sector. Prof. Shankar Singh, Head of Department (Mechanical & Civil Engineering) stated that such industrial visit helps the students to understand how engineering concepts are practically applied in real-time production and how industries maintain efficiency, precision, and innovation at scale. He emphasized that the experience would help students understand practical challenges, industrial discipline, and the latest technologies used in refinery and petrochemical industries.Director, SLIET Prof. Mani Kant Paswan, while extending his best wishes for a happy, safe, and knowledgeable industrial visit to the students, congratulated the Mechanical Engineering Department for organizing such enriching industrial exposure activities. He remarked that bridging the gap between classroom learning and industrial practices is always an exciting and valuable experience for budding engineers. He further stated that the industrial visit to HPCL-Mittal Energy Limited would serve as an important educational experience for the students of engineering by providing them insights into the practical implementation of theoretical concepts and exposure to real-time industrial working environments and processes.The Mechanical department expressed special gratitude to Mr. Devinder Mittal, Vice President, HMEL, for his support in facilitating the visit. The department also acknowledged the valuable support extended by Prof. R.K. Mishra, Dean (Alumni and Industrial Relations), Prof. Major Singh, Head Training & Placement, and Mr. Saleem from the Training & Placement Office, for their cooperation in organizing the educational visit successfully.The accompanying faculty members and students appreciated the warm hospitality and valuable technical guidance extended by the team of HPCL-Mittal Energy Limited during the visit. The industrial tour proved to be a highly informative and enriching learning experience for the students, significantly enhancing their understanding of refinery operations, industrial engineering practices, and the practical applications of concepts studied in the classroom.

ਐਚ ਐਮ ਈ ਐਲ, ਬਠਿੰਡਾ ਦਾ ਉਦਯੋਗਿਕ ਦੌਰਾ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿਗ ਵਿਭਾਗ, ਸਲਾਈਟ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਦੁਆਰਾ ਆਯੋਜਿਤ

ਦੇਵ ਟਾਈਮਜ਼

ਲੌਂਗੋਵਾਲ, 12 ਮਈ (ਕਰਨ): ਸੰਤ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ (ਸਲਾਈਟ) ਦੇ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਬੀ.ਟੈਕ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਐਚਐਮਈਐਲ -ਮਿੱਤਲ ਐਨਰਜੀ ਲਿਮਟਿਡ (ਐਚਐਮਈਐਲ), ਬਠਿੰਡਾ ਦਾ ਸਫ਼ਲਤਾਪੂਰਵਕ ਇੱਕ ਉਦਯੋਗਿਕ ਦੌਰਾ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਦੌਰੇ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਰੀਫਾਇਨਰੀ ਸੰਚਾਲਨ, ਉਦਯੋਗਿਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਭਿਆਸਾਂ, ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਪ੍ਰਣਾਲੀਆਂ ਅਤੇ ਕਲਾਸਰੂਮ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹੇ ਗਏ ਸੰਕਲਪਾਂ ਦੇ ਅਸਲ-ਜੀਵਨ ਉਪਯੋਗ ਬਾਰੇ ਵਿਹਾਰਕ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ ਸੀ। ਇਹ ਉਦਯੋਗਿਕ ਦੌਰਾ ਸਲਾਈਟ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ, ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀ ਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਅਤੇ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਮੁਖੀ (ਮਕੈਨੀਕਲ ਅਤੇ ਸਿਵਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ) ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਦੇ ਮਾਰਗਦਰਸ਼ਨ ਹੇਠ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਸੀ। ਸਫ਼ਲਤਾ 45 ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਵਿਦਿਅਕ ਦੌਰੇ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਡਾ. ਵਿਵੇਕ ਕੁਮਾਰ, ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਦਿਵੇਸ਼ ਭਾਰਤੀ, ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਲਲਿਤ ਆਹੂਜਾ, ਡਾ. ਅਰਚਨਾ ਠਾਕੁਰ ਸਮੇਤ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ ਵੀ ਸਨ। ਇਸ ਦੌਰੇ ਦੌਰਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਏਕੀਕ੍ਰਿਤ ਰਿਫਾਇਨਰੀ-ਪੈਟਰੋਕੈਮੀਕਲ ਕੰਪਲੈਕਸਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਰਿਫਾਇਨਰੀ ਦੇ ਕੰਮਕਾਜ ਬਾਰੇ ਕੀਮਤੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ। ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੀ ਉਦਯੋਗਿਕ ਫੇਰੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਇਹ ਸਮਝਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਸੰਕਲਪਾਂ ਨੂੰ ਅਸਲ-ਸਮੇਂ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਵਿੱਚ ਕਿਵੇਂ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਦੌਰੇ ਕੀਮਤੀ ਵਿੱਦਿਅਕ ਅਨੁਭਵਾਂ ਵਜੋਂ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਡੀਨ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਬੀਤੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਡਾਢਾ ਬਿਮਾਰ ਡੀਨ ਦੀ ਬਣਤਰ, ਕੰਮਕਾਜ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਸੰਬੰਧੀ ਕੀਮਤੀ ਸਲਾਹ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ।ਮਕੈਨੀਕਲ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਦਵਿੰਦਰ ਮਿੱਤਲ ਵਾਈਸ ਪ੍ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਐਚ ਐਮ ਈ ਐਲ. ਦਾ ਇਸ ਦੌਰੇ ਨੂੰ ਸੁਚਾਰੂ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ।

संगरूर भास्कर 13-05-2026

स्लाइट के बीटेक छात्रों ने एचएमईएल रिफाइनरी का किया औद्योगिक दौरा

औद्योगिक दौरे के दौरानलौंगोवाल स्लाइट के छात्र।

लौंगोवाल। संत लौंगोवाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा बीटेक छात्रों के लिए एचपीसीएल मित्तल एनर्जी लिमिटेड (एचएमईएल) की बठिंडा स्थित गुरु गोबिंद सिंह रिफाइनरी का औद्योगिक दौरा करवाया। इस शैक्षिक दौरे का उद्देश्य छात्रों को रिफाइनरी संचालन, औद्योगिक सुरक्षा, रखरखाव प्रणाली और इंजीनियरिंग सिद्धांतों के व्यावहारिक उपयोग की जानकारी देना था। ये दौरा संस्थान के निदेशक प्रो. मणिकंत पासवान और विभागाध्यक्ष प्रो. शंकर सिंह के मार्गदर्शन में करवाया। दौरे में 45 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों को रिफाइनरी की विभिन्न इकाइयों, सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली, प्रक्रिया नियंत्रण तकनीकों और आधुनिक औद्योगिक कार्यप्रणाली बताई। विभागाध्यक्ष प्रो. शंकर सिंह ने कहा कि ऐसे औद्योगिक दौरे छात्रों को कक्षा में सीखे गए सिद्धांतों को वास्तविक उद्योगों में समझने का अवसर प्रदान करते हैं। निदेशक प्रो. मणि कांत पासवान ने कहा कि इस प्रकार के दौरे छात्रों के तकनीकी ज्ञान और व्यावहारिक समझ को मजबूत बनाते हैं। मैकेनिकल विभाग ने इस सफल आयोजन में सहयोग देने के लिए एचएमईएल प्रबंधन और सभी संबंधित अधिकारियों का आभार जताया। मौके पर डॉ. विवेक कुमार, इंजीनियर दिवेश भारती, इंजीनियर ललित आहूजा, डॉ अर्चना ठाकुर आदि उपस्थित थे।

ਅਜੀਤ 15-May-2026 Page: 12

ਸਲਾਇਟ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਬਠਿੰਡਾ ਵਿਖੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨਾਲ ਰਿਫਾਇਨਰੀ ਦਾ ਦੌਰਾ ਕਰਦੇ ਹੋਏ। ਤਸਵੀਰ: ਬਿਨੈਦ

ਸਲਾਇਟ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਲੋਂ ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ ਗਿਆਨ ਲਈ ਬਠਿੰਡਾ ਰਿਫਾਇਨਰੀ ਦਾ ਦੌਰਾ

ਲੌਂਗੋਵਾਲ, 14 ਮਈ (ਬਿਨੈਦ ਸ਼ਰਮਾ) - ਸੰਤ ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਇੰਸਟੀਚਿਊਟ ਆਫ਼ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਐਂਡ ਟੈਕਨਾਲੋਜੀ (ਸਲਾਇਟ) ਲੌਂਗੋਵਾਲ ਦੇ ਮਕੈਨੀਕਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਬੀ.ਟੈਕ ਮਕੈਨੀਕਲ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਐਚ.ਐਮ.ਈ.ਐਲ. ਮਿੱਤਲ ਐਨਰਜੀ ਲਿਮਟਿਡ ਬਠਿੰਡਾ ਦਾ ਉਦਯੋਗਿਕ ਦੌਰਾ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਇਸ ਦੌਰੇ ਦਾ ਉਦੇਸ਼ ਰਿਫਾਇਨਰੀ ਦੇ ਸੰਚਾਲਨ, ਉਦਯੋਗਿਕ ਸੁਰੱਖਿਆ ਅਭਿਆਸਾਂ, ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਪ੍ਰਣਾਲੀਆਂ ਅਤੇ ਕਲਾਸਰੂਮ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹੇ ਗਏ ਸੰਕਲਪਾਂ ਦੇ ਅਸਲ-ਜੀਵਨ ਉਪਯੋਗ ਬਾਰੇ ਵਿਹਾਰਕ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਨਾ ਸੀ। ਇਹ ਦੌਰਾ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀ ਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਅਤੇ ਮਕੈਨੀਕਲ ਅਤੇ ਸਿਵਲ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਮੁਖੀ ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਦੀ ਅਗਵਾਈ ਹੇਠ ਆਯੋਜਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਦੌਰੇ ਦਾ ਤਾਲਮੇਲ ਡਾ. ਵਿਵੇਕ ਕੁਮਾਰ ਅਤੇ ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਦਿਵੇਸ਼ ਭਾਰਤੀ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਲਗਭਗ 45 ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਵਿਦਿਅਕ ਦੌਰੇ ਵਿੱਚ ਹਿੱਸਾ ਲਿਆ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਡਾ. ਵਿਵੇਕ ਕੁਮਾਰ, ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਦਿਵੇਸ਼ ਭਾਰਤੀ, ਇੰਜੀਨੀਅਰ ਲਲਿਤ ਆਹੂਜਾ ਅਤੇ ਡਾ. ਅਰਚਨਾ ਠਾਕੁਰ ਸਮੇਤ ਫੈਕਲਟੀ ਮੈਂਬਰ ਵੀ ਸਨ। ਇਸ ਦੌਰੇ ਦੌਰਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਭਾਰਤ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁੱਖ ਏਕੀਕ੍ਰਿਤ ਰਿਫਾਇਨਰੀ-ਪੈਟਰੋਕੈਮੀਕਲ ਕੰਪਲੈਕਸਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਰਿਫਾਇਨਰੀ ਦੇ ਕੰਮਕਾਜ ਬਾਰੇ ਕੀਮਤੀ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕੀਤੀ। ਪ੍ਰੋ. ਸ਼ੰਕਰ ਸਿੰਘ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੀ ਉਦਯੋਗਿਕ ਫੇਰੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਇਹ ਸਮਝਣ ਵਿੱਚ ਮਦਦ ਕਰਦੀ ਹੈ ਕਿ ਇੰਜੀਨੀਅਰਿੰਗ ਸੰਕਲਪਾਂ ਨੂੰ ਅਸਲ-ਸਮੇਂ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਵਿੱਚ ਕਿਵੇਂ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਪ੍ਰੋ. ਮਨੀਕਾਂਤ ਪਾਸਵਾਨ ਨੇ ਕਿਹਾ ਕਿ ਅਜਿਹੇ ਦੌਰੇ ਕੀਮਤੀ ਵਿੱਦਿਅਕ ਅਨੁਭਵਾਂ ਵਜੋਂ ਕੰਮ ਕਰਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ ਡੀਨ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਬੀਤੀ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦਾ ਸਵਾਗਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਅਤੇ ਡਾਢਾ ਬਿਮਾਰ ਡੀਨ ਦੀ ਬਣਤਰ, ਕੰਮਕਾਜ ਅਤੇ ਰੱਖ-ਰਖਾਅ ਸੰਬੰਧੀ ਕੀਮਤੀ ਸਲਾਹ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ।ਮਕੈਨੀਕਲ ਵਿਭਾਗ ਨੇ ਸ੍ਰੀ ਦਵਿੰਦਰ ਮਿੱਤਲ ਵਾਈਸ ਪ੍ਰੈਜ਼ੀਡੈਂਟ ਐਚ ਐਮ ਈ ਐਲ. ਦਾ ਇਸ ਦੌਰੇ ਨੂੰ ਸੁਚਾਰੂ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਧੰਨਵਾਦ ਕੀਤਾ।

Publications

1. Om, H., & Singh, S. (2026). An Experimental and Optimization Approach for Electric Discharge Drilling of NiTiCu Shape Memory Alloy. Journal of Materials Engineering and Performance, 1-15.
2. Sharma, A., Singh, S., & Kumar, V. (2026). Influence of post heat treatment on the mechanical and metallurgical properties of WAAM-deposited Inconel 718 wall. Engineering Research Express, 8(7), 075520.
3. Gupta, A., & Kumar, V. (2026). Human biodynamics and vibration transmission pathways in heavy vehicles: A bond graph perspective. Proceedings of the Institution of Mechanical Engineers, Part D: Journal of Automobile Engineering, 09544070251405950.
4. Singh, J., & Shahi, A. S. (2026). Thermal aging-induced embrittlement and pitting corrosion of electron beam welded thick-section 22Cr–5Ni–3Mo duplex stainless steel joint. International Journal of Pressure Vessels and Piping, 105932.
5. Pant, S., Kumar, S., & Shahi, A. S. (2026). Wire arc additively manufactured super duplex stainless steel: microstructural and property evolution under thermal aging and solution treatment. Canadian Metallurgical Quarterly, 65(3), 2665-2680.
6. Kunal, G., Shahi, A. S., & Saxena, R. K. (2026). Metallurgical, mechanical and simulated analysis of traverse speed impact on friction stir welded AA7075 joints. International Journal on Interactive Design and Manufacturing (IJIDeM), 20(3), 1469-1485.
7. Pant, S., Kumar, S., & Shahi, A. S. (2026). Metallurgical, Mechanical, and corrosion behavior of wire Arc additively manufactured super duplex stainless steel ER2594 wall fabricated using CMT welding. Journal of Materials Engineering and Performance, 35(2), 1799-1814.
8. Singh, J., & Shahi, A. S. (2026). Process-induced through-thickness microstructural heterogeneity and property gradients in thick-section electron beam–welded UNS S32205 duplex stainless steel. Welding in the World, 1-19.
9. Rooprai, R. S., Singh, V., Singh, J., Bansal, A., & Singla, A. K. (2026). Enhancement of wear resistance of EN8 steel via AISI316 cladding with titanium carbide reinforcement using wire arc additive manufacturing. Welding in the World, 1-16.
10. Rooprai, R. S., Singh, J., Singh, V., Bansal, A., & Singla, A. K. (2026). Optimization of Abrasive Wear Performance in TiC-Reinforced AISI 316 Wire Arc Additive Manufacturing Claddings on Agricultural Steel via Response Surface Methodology. Journal of Materials Engineering and Performance, 1-18.
11. Bansal, A., Singh, V., Singla, A. K., Singh, J., Singla, J., & Al-Hammadi, R. A. (2026). Effect of TiB2-B4C reinforcement and laser remelting on the microstructural, mechanical, and tribological performance of HVOF sprayed WC-10Co-4Cr coating. Colloids and Surfaces A: Physicochemical and Engineering Aspects, 139486.
12. Rooprai, R. S., Singh, V., Bansal, A., Singh, J., Singla, A. K., Kumar, V., & Singh, T. (2026). Enhanced abrasion and corrosion resistance of AISI316-VC composite claddings on 080M40 steel using WAAM-CMT technique. Journal of Materials Engineering and Performance, 35(4), 3677-3697.

13. Singh, J., Singh, V., Bansal, A., Singla, A. K., Singla, J., & Singh, J. (2026). Synergistic Enhancement of Mechanical and Erosion Performance in HVOF-Sprayed WC-10Co-4Cr Coatings via TiB2-B4C Hybrid Reinforcement and Laser Remelting: Jasdeep Singh, V. Singh, Bansal, AK Singla, J. Singla, and Jagtar Singh. JOM, 78(5), 4922-4937.
14. Goyal, N., & Singh, K. (2026). Waste to wealth: development of cladding flux from steel slag for submerged arc welding. Journal of Adhesion Science and Technology, 40(3), 506-518.
15. Shakya, P., Singh, K., & Arya, H. K. (2026). Influence of dual axial magnetic field and welding parameters on weld characteristics in GTAW process. Journal of Adhesion Science and Technology, 40(3), 567-585.
16. Thappa, S., Verma, S. K., Kumar, S., Kaur, P., Singh, A., & Paswan, K. (2026, February). Solar Flux Assessment of Parabolic Trough Collector Using Monte Carlo Ray Tracing. In 2026 3rd International Conference on Advancements and Key Challenges in Green Energy and Computing (AKGEC) (pp. 1-6). IEEE.
17. Kumar Yadav, S., Kumar, S., Goyal, M., Kaur, P., & Kumar, S. (2026). PID Control and Tuning Strategies for Dual-Arm Trajectory Tracking of a Bionic Underwater Manipulator (BDA-URM). Journal of Robotics, 2026(1), 3255573.
18. Gupta, P., & Kumar, S. (2026). TPM as an organisational motivator for gaining business excellence and sustainability in competitive environment: an empirical exploration. International Journal of Business Excellence, 38(1), 19-39.
19. Bansal, A., Singh, V., Singla, A. K., Singh, J., Singla, J., & Al-Hammadi, R. A. (2026). Effect of TiB2-B4C reinforcement and laser remelting on the microstructural, mechanical, and tribological performance of HVOF sprayed WC-10Co-4Cr coating. Colloids and Surfaces A: Physicochemical and Engineering Aspects, 139486.
20. Singh, V., Bansal, A., Singla, J., Singla, A. K., Kumar, V., Goyal, D. K., & Kaur, S. (2026). Tribological Evaluation of Plasma-Sprayed Hydroxyapatite Coating on Wire Arc Additively Manufactured Ti6Al4V. Journal of Thermal Spray Technology, 1-16.
21. Khanna, N., Vesuwala, H., Salvi, H., Singla, J., Kumar, N., Bansal, A., ... & Bolar, G. (2026). Sustainability and machinability evaluation of drilling WAAM-CMT and Wrought Ti-6Al-4V: Comparison of three drilling tools. Cleaner Engineering and Technology, 101171.
22. Singh, V., Kaur, S., Jeyaprakash, N., Shankar, K. V., Bansal, A., & Singla, A. K. (2026). Review on engineering superhydrophobic surfaces: recent innovations and cross-sector applications. Journal of Coatings Technology and Research, 1-28.
23. Singh, V., Kaur, S., Jeyaprakash, N., Shankar, K. V., Bansal, A., & Singla, A. K. (2026). Review on engineering superhydrophobic surfaces: recent innovations and cross-sector applications. Journal of Coatings Technology and Research, 1-28.
24. Singh, V., Kaur, S., Bansal, A., Goyal, D. K., & Singh, S. (2026). Dry Sliding Wear and Microstructural Evolution of Hogonas+ 50% WC Cladding Over SS410 Steel. International Journal of Precision Engineering and Manufacturing, 27(4), 1691-1702.
25. Singh, V., Jeyaprakash, N., Vishnoi, M., Moinuddin, S. Q., Kumar, V., & Bansal, A. (2026). Surface investigation on cavitation-erosion resistance of WC-10Co-4Cr and La2O3 doped coatings on SS410 through HP-HVOF technique. Welding in the World, 1-21.
26. Agrawal, S., Rana, J., Singla, A., Singh, H. N., & Beer, D. D. (2026). Modelling of the Valley of Flowers National Park, a World Heritage Site, by Additive Manufacturing. Cartographica: The International Journal for Geographic Information and Geovisualization, 61(1), 38-48.

MECH-TIMES

Volume-V Issue-II

EDITORIAL BOARD

Prof. Shankar Singh
Head of Department
M.E. Department,
SLIET Longowal

Dr. Vivek Kumar Editor,
Associate Professor
M.E. Department,
SLIET Longowal

Dr. Ashwani Kumar
Assistant Professor
M.E. Department,
SLIET Longowal

Dr. Archana Thakur
Assistant Professor
M.E. Department,
SLIET Longowal

Mr. Priyanshu Deep
Member
Reg. No. 2336072,
GME 4th Year,
SLIET Longowal

Mr. Mandeep Sodhi
Member
Reg. No. 2336008,
GME 4th Year,
SLIET Longowal

Mr. Surajbhan
Member
Reg. No. 2346042,
GME 3rd Year,
SLIET Longowal

MECH-TIMES

For more details visit our websites:

http://mech.sliet.ac.in/news-letter- mechtimes/

http://mech.sliet.ac.in/

https://www.linkedin.com/company/mec hanical-engineering-department-sliet- longowal/